सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
HAPPY NEW YEAR 2026
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 11 ● अंकः 324 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार 1 जनवरी, 2026

विजयवर्गीय के बोल से सियासी... 7 ब्राह्मणों के एकजुटता पर सियासी... 3 नए संकल्प के बदलाव साथ लाएं... 2

नया साल विपक्ष ने उठाए अधिकारों पर सवाल!

इस वर्ष सरकार के लिए हल्ला बोलेगा विपक्ष

- 2026 में पांच राज्यों में चुनाव, क्या रूकेगा मोदी का अजेय रथ
- नए साल की मुबारकबाद के साथ राजनीति ने यह कह दिया है कि खेल अब नई पिच पर होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। साल का पहला दिन और राजनीति ने सुबह होते ही अधिकारों के सवाल की आवाज दे दी है। 2026 का सूरज पक्ष विपक्ष दोनों के लिए नई चुनौतियों लेकर उगा है। सिर्फ कैलेंडर नहीं बदला है बल्कि 26 में राजनीतिक पिच भी बदलने वाली है इस बात का एलान विपक्ष ने कर दिया है।

राहुल गांधी ने कहा है कि 2026 आम नागरिकों के अधिकारों की रक्षा का साल बने। गौरतलब है कि इस वर्ष पश्चिम बंगाल समेत चार अन्य राज्यों में आम चुनाव होना है। बीजेपी लंबे समय से बंगाल में कमल खिलाने की प्रेक्टिस कर रही है। लेकिन हर बार ममता बनर्जी अजेय बनकर बीजेपी के सपनों को पूरा नहीं होने दे रही इस बार क्या होगा? यह बड़ा सवाल है।

पांच राज्यों में चुनाव

2026 में जिन पांच राज्य पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने हैं वह नए साल के पहले दिन ही राजनीति के नक्शे पर चमकने लगे हैं। यह चुनाव बीजेपी के लिए सिर्फ सत्ता बचाने की लड़ाई नहीं होंगे बल्कि यह तय करेंगे कि क्या मोदी का अजेय समझा जाने वाला रथ अब भी उसी रफ्तार से दौड़ रहा है या कहीं पहियों के नीचे सवालों की कीलें चुभने लगी हैं। नया साल है इसलिए यह कहानी निराशा से नहीं शुरू होती। यह कहानी शुरू होती है उम्मीद से विपक्ष की उम्मीद मतदाता की उम्मीद और लोकतंत्र की उम्मीद।

असम में सत्ता के साथ सवालों का बोझ?

असम में बीजेपी सत्ता में है लेकिन सवालों से मुक्त नहीं। नागरिकता पहचान और सामाजिक संतुलन यह वह मुद्दे है जो नए साल में भी हवा में तैर रहे हैं। विपक्ष के लिए असम में वह मौका है कि वह डर की राजनीति के मुकाबले भरोसे की राजनीति रख सके। अगर असम में माहौल बदला तो यह संकेत होगा कि 2026 सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं परिणाम देने वाला साल है।

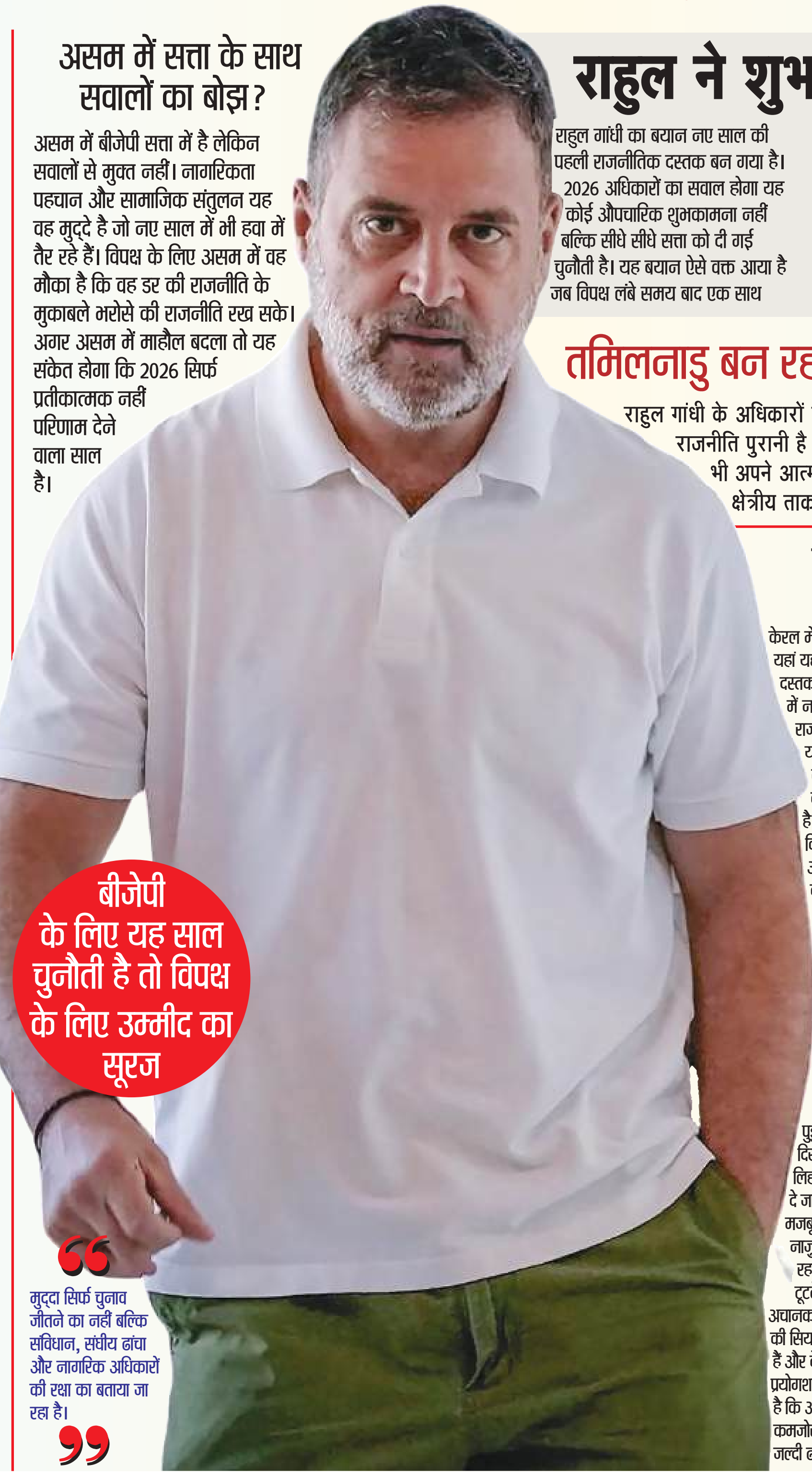

बीजेपी के लिए यह साल चुनौती है तो विपक्ष के लिए उम्मीद का सूरज

"मुद्दा सिर्फ चुनाव जीतने का नहीं बल्कि संविधान, संघीय ढांचा और नागरिक अधिकारों की रक्षा का बताया जा रहा है।"

राहुल ने शुभकामना के साथ चुनौती पेश की

राहुल गांधी का बयान नए साल की पहली राजनीतिक दस्तक बन गया है। 2026 अधिकारों का सवाल होगा यह कोई औपचारिक शुभकामना नहीं बल्कि सीधे सीधे सत्ता को दी गई चुनौती है। यह बयान ऐसे वक्त आया है जब विपक्ष लंबे समय बाद एक साथ सांस लेता दिख रहा है और सत्ता के भीतर आत्मविश्वास के साथ साथ बेचैनी भी साफ महसूस की जा सकती है। राहुल गांधी का यह वाक्य सिर्फ कांग्रेस की लाइन नहीं है यह विपक्षी राजनीति का साझा उद्घोष बनता जा रहा है। और यहीं से नए साल की राजनीति की खुशबू बदल जाती है। अब मुद्दा सिर्फ चुनाव जीतने का नहीं बल्कि संविधान, संघीय ढांचा और नागरिक अधिकारों की रक्षा का बताया जा रहा है। इसी बयान के समानांतर, ममता बनर्जी की उम्मीदें भी नए साल की रोशनी में और साफ दिखाई देती हैं। दिल्ली से लेकर कोलकाता तक यह संदेश जाने लगा है कि विपक्ष अब सिर्फ प्रतिक्रिया नहीं बल्कि पहल करेगा।

तमिलनाडु बन रहा है अधिकारों की राजनीति का मजबूत किला

राहुल गांधी के अधिकारों के सवाल वाले बयान की सबसे मजबूत जमीन तमिलनाडु है। यहां केंद्र बनाम राज्य की राजनीति पुरानी है लेकिन आज भी असरदार। बीजेपी यहां विस्तार चाहती है लेकिन द्रविड़ राजनीति आज भी अपने आत्मसम्मान के साथ खड़ी है। तमिलनाडु विपक्ष को यह भरोसा देता है कि राष्ट्रीय राजनीति क्षेत्रीय ताकतों के बिना अधूरी है।

केरल विचारधारा की जिंदा प्रयोगशाला

केरल में नया साल महज कैलेंडर का बदलना नहीं होता यहां यह सवालों बहसों और वैचारिक मंथन के साथ दस्तक देता है। यह वह राज्य है जहां वोटर नारों के शोर में नहीं बल्कि नीतियों की कसौटी पर फैसले करता है, राजनीति भावनाओं से नहीं तर्क से चलती है। और यही इसे भारत की विचारधारा की जिंदा प्रयोगशाला बनाती है। यहां वामपंथ कोई जड़ विचार नहीं बल्कि बदलते समय के साथ संवाद करता दर्शन है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय और विकेंद्रीकरण यह सिर्फ वादे नहीं बल्कि जमीनी अनुभव हैं। शायद यही वजह है कि केरल में सत्ता का बदलाव भी किसी उथल पुथल के बिना लोकतांत्रिक सहजता से होता है। सत्ता में बैठी सरकार को भी पता है कि यहां सवाल पूछे जाएंगे और जवाब देने ही होंगे। बीजेपी के लिए केरल कल भी कठिन था और आज भी कठिन चुनौती बना हुआ है।

पश्चिम बंगाल में उम्मीदें भी कांपती हैं और सत्ता भी

अगर 2026 की राजनीति में किसी राज्य में थ्रिल, सस्पेंस और हल्का-सा हॉरर है तो वह पश्चिम बंगाल है। यहां चुनाव सिर्फ वोट का नहीं वजूद का सवाल बन जाता है। ममता बनर्जी नए साल में भी संघर्ष का प्रतीक बनी हुई हैं। एक ओर केंद्रीय एजेंसियों की जांच दूसरी ओर दिल्ली से लगातार दबाव लेकिन ममता का राजनीतिक संदेश साफ है बंगाल अपने फैसले खुद करेगा। यही बात उन्हें विपक्ष की उम्मीदों का केंद्र बनाती है। बीजेपी पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में है लेकिन समस्या वही पुरानी है ममता के सामने खड़ा करने लायक चेहरा अब भी अधूरा है। संगठन है, संसाधन हैं, प्रचार है, लेकिन बंगाल की मिट्टी से उठी आवाज नहीं। बंगाल में सिहरन है, हिंसा की आशंका, टकराव का डर, और चुनावी रातों की बेचैनी।

पुडुचेरी छोटा राज्य, बड़ा संदेश

पुडुचेरी भले ही नक्शे पर छोटा दिखता हो लेकिन राजनीति के लिहाज से यह अक्सर बड़े संकेत दे जाता है। यहां सत्ता किसी मजबूत बहुमत की नहीं बल्कि नाजुक संतुलन की मोहताज रहती है। गठबंधन की राजनीति टूटते बनते समीकरण और अचानक बदलती वफादारियां पुडुचेरी की सियासत को अस्थिर भी बनाती हैं और बेहद अहम भी। यही वह प्रयोगशाला है जहां यह साफ दिखता है कि अगर गठबंधन में भरोसा कमजोर पड़ा तो सरकार कितनी जल्दी ढह सकती है। 2026 के बड़े राजनीतिक खेल से पहले पुडुचेरी एक ट्रेलर की तरह है। यह चेतावनी भी देता है और संकेत भी कि आने वाले चुनावों में संख्या से ज़्यादा अहम तालमेल होगा। बीजेपी के लिए पुडुचेरी यह सबक देता है कि सत्ता जोड़ तोड़ से मिल सकती है लेकिन टिकेगी तभी जब सहयोगी संतुष्ट हों। वहीं विपक्ष के लिए यह उम्मीद है कि बिखरी हुई ताकतें अगर एक मंच पर आ गयी तो छोटे राज्य भी बड़े नैरेटिव गढ़ सकते हैं। पुडुचेरी याद दिलाता है कि लोकतंत्र में आकार मायने नहीं रखता राजनीतिक संदेश अक्सर सबसे छोटे मंच से सबसे जोरदार आता है। बीजेपी नए साल में सत्ता में है लेकिन पहले जैसी निश्चिंत नहीं। सहयोगियों की नाराज़गी राज्यों में अलग अलग मूड और भीतर की खामोश असहजता ये सब चुनौती बन चुके हैं। विपक्ष के पास सत्ता नहीं है लेकिन अब उसके पास भाषा है मुद्दें हैं और दिशा है। राहुल गांधी का बयान और ममता बनर्जी की जमीन दोनों मिलकर विपक्ष के लिए 2026 की पिच तैयार कर रहे हैं। विपक्ष सिर्फ विरोध नहीं विकल्प बने सत्ता सवालों से भागे नहीं जवाब दे और मतदाता महसूस करे कि अधिकार अभी जिंदा हैं। नए साल की मुबारकबाद के साथ राजनीति ने कह दिया है कि खेल अब नई पिच पर होगा।

नए संकल्प के साथ लोग लाएं बदलाव : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख ने प्रदेशवासियों को नववर्ष की बधाई दी

» सीएम योगी, मायावती ने भी दीं शुभकामनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीएम योगी, मायावती और अखिलेश यादव ने यूपी के लोगों को नए वर्ष की बधाई दी है।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नववर्ष के संदेश में नए संकल्प और बदलाव का आह्वान करते हुए कहा कि एक नयी सुबह नयी उम्मीदें लाती है और बदलाव खुद से शुरू होता है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''नये साल का नया सवेरा, आशाओं का नया बसेरा, आइए नये रण के लिए नये प्रण लें, नया संकल्प ही नया कल लाता है, हम बदलेंगे तो सब बदलेगा '' नए साल पर।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को भरोसा जताया कि राज्य 2026 में समृद्धि, सुशासन और सर्वांगीण प्रगति के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के यशस्वी मार्गदर्शन में 'नया उत्तर प्रदेश विकसित भारत' की विकास यात्रा में सहभागी बनकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा है।

समाज के प्रत्येक वर्ग तक योजनाओं का लाभ पहुंचे : सीएम योगी

यूपी के सीएम ने कहा, ''प्रदेश में संचालित विकास एवं जन-कल्याणकारी योजनाओं से प्रदेशवासियों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। गरीब, किसान, युवा, मातृशक्ति के साथ ही समाज के प्रत्येक वर्ग तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी, त्वरित एवं प्रभावी रूप से पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''पूर्ण विश्वास है कि ईसवी सन 2026 में डबल इंजन सरकार की विकासपरक नीतियों से उत्तर प्रदेश समृद्धि, सुशासन और सर्वांगीण प्रगति के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा.''वहीं बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने देशभर के लोगों और विदेशों में रहने वाले भारतीयों को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं, और उनके लिए खुशी, शांति, समृद्धि, सुरक्षा और आत्म-सम्मान भरे जीवन की कामना की. मायावती ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''समस्त देशवासियों तथा दुनियाभर में रहने वाले भारतीय नागरिकों एवं उनके परिवार वालों को आज नववर्ष सन् 2026 की दिली मुबारकबाद एवं उन सबकी सुख, शान्ति, समृद्धि, सुरक्षा एवं आत्म-सम्मान व स्वाभिमान-युक्त जीवन की शुभकामनायें.

नया साल देश में सर्वसमाज के जीवन में खुशी लाए : मायावती

बसपा प्रमुख ने क हा कि नया साल देश में सर्वसमाज के हर गरीब व मेहनतकश लोगों अर्थात् समस्त बहुजनों की दिन-प्रतिदिन की जिंन्दगी नित्य नये नियम-कानूनों की कदम-कदम पर जकड़नों से दूर सहज व सरल हो तथा यह साल आप सबके लिये बहुत सारी खुशियां लाये, यही कुदरत से कामना ही नहीं बल्कि राजनीतिक और सामाजिक जीवन में बहुजन समाज का थोड़ा अच्छे दिन पाने के लिये यही संघर्ष भी है। '

तमिलनाडु में नशीले पदार्थों की लत फैल रही है : डी. जयकुमार

» एआईएडीएमके ने डीएमके को घेरा
» बोले- राज्य में बिगड़ रही कानून-व्यवस्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। पूर्व मंत्री और एआईएडीएमके के वरिष्ठ नेता डी. जयकुमार ने तमिलनाडु में चार नाबालिगों द्वारा ओडिशा के एक व्यक्ति पर किए गए हमले पर प्रतिक्रि या व्यक्त की। उन्होंने तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री एम. सुब्रमणियन की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्री का कहना है कि किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ का प्रचलन नहीं है, जबकि ऐसी घटनाएं दर्शाती हैं कि राज्य में नशीले पदार्थों की लत फैल रही है।

डी. जयकुमार ने कहा कि तमिलनाडु, जो लोगों का स्वागत करने के लिए जाना जाता है, ऐसी घटनाओं के कारण अब शर्मिंदगी का सामना कर रहा है। स्वास्थ्य मंत्री बिना किसी शर्म के कहते हैं कि तमिलनाडु में गांजा या नशीले पदार्थों का प्रचलन नहीं है। वास्तविकता में, नशीले पदार्थों की लत फैल रही है। इस बीच, पुलिस महानिरीक्षक (उत्तर क्षेत्र) आसरा गर्ग ने घटना का विस्तृत विवरण देते हुए बताया कि चार नाबालिग लड़कों ने ओडिशा के 20 वर्षीय व्यक्ति पर हमला किया। उन्होंने घटना का वीडियो भी बनाया और उसे इंटरनेट पर प्रकाशित कर दिया। उन्होंने कहा कि 27 दिसंबर को एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी, जिसमें ओडिशा के एक 20 वर्षीय युवक पर चार नाबालिगों ने हमला किया... सभी नाबालिग थे... उन्होंने इस पूरी घटना का वीडियो बनाया और इसे सोशल मीडिया पर भी अपलोड कर दिया। पीड़ि‍त को तुरंत तीन सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा सहायता दी गई। हत्या के प्रयास सहित संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है, जो इस तरह के अपराधों के लिए सबसे गंभीर धारा है। उन्होंने कहा कि पीड़ित को तुरंत तीन अलग-अलग सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा उपचार दिया गया... हत्या के प्रयास सहित उचित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है, जो इस प्रकार के अपराध के लिए सबसे गंभीर धारा है। उन्होंने आगे आश्वासन दिया कि तिरुवल्लूर जिला पुलिस ने चारों नाबालिगों को गिरफ्तार कर लिया है। किशोर न्याय बोर्ड ने तीनों आरोपियों को किशोर गृह में रखने का निर्देश दिया है और उनमें से एक को उसके माता-पिता को सौंप दिया है।

तमिलनाडु सरकार को झटका, राष्ट्रपति ने वीसी नियुक्ति पर विधेयक लौटाया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मद्रास विश्वविद्यालय (संशोधन विधेयक) को तमिलनाडु सरकार को वापस भेज दिया, जिससे राज्य द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति प्रक्रि या में बदलाव का प्रयास रुक गया। अप्रैल 2022 में तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित इस विधेयक में मद्रास विश्वविद्यालय अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव था, जिसके तहत कुलपति की नियुक्ति और बर्खास्तगी का अधिकार राज्य सरकार के पास होना था। वर्तमान में यह अधिकार राज्यपाल के पास है, जो विश्वविद्यालय के पदेन कुलाधिपति भी होते हैं। प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य अधिनियम में कुलाधिपति के संदर्भ को सरकार के अधिकार से हटाना था। तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने पहले विधेयक को राष्ट्रपति के विचारार्थ आरक्षित कर दिया था, यह कहते हुए कि इन परिवर्तनों से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों और कुलपति नियुक्तियों से संबंधित स्थापित मानदंडों के साथ टकराव हो सकता है। यह निर्णय द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) सरकार और राज्यपाल के बीच राज्य में उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रशासन को लेकर चल रहे लंबे टकराव के बीच आया है। तमिलनाडु के 22 राज्य-संचालित विश्वविद्यालयों में से लगभग 14, जिनमें 168 वर्ष पुराना मद्रास विश्वविद्यालय भी शामिल है, वर्तमान में नियमित कुलपतियों के बिना चल रहे हैं और संयोजक समिति द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। यह विवाद सर्वोच्च न्यायालय तक भी पहुंच चुका है, जिसने इस वर्ष अप्रैल में राज्य विधानमंडल से निपटने में राज्यपाल की भूमिका पर एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तमिलनाडु विधानसभा द्वारा 2022 में पारित 10 संशोधन विधेयकों को स्वतः स्वीकृत कर दिया।

सम्राट से नहीं संभल रहा गृह विभाग : गौरव राणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेगूसराय। बिहार में अपराध के मुद्दे पर अब बीजेपी और जदयू के बीच अनबन दिखने लगी है। जदयू नेता ने तो सीधे गृह विभाग के मंत्री सम्राट चौधरी पर ही बड़ा आरोप जड़ दिया है। जदयू के प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा है कि सम्राट चौधरी से होम डिपार्टमेंट संभल ही नहीं पा रहा। दरअसल 20 साल में पहली बार नीतीश ने गृह विभाग अपने पास न रख कर बीजेपी को दे दिया था, और बीजेपी ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को इसकी जिम्मेदारी दी है।

सवाल ये कि आखिर इस अनबन की वजह क्या है? क्यों जदयू के प्रदेश उपाध्यक्ष गौरव राणा सम्राट चौधरी पर हमलावर हैं। इसकी जड़ों में है बेगूसराय जिले का एक कांड। गौरव राणा भी बेगूसराय के ही हैं। दरअसल बेगूसराय में 23 दिसंबर की रात एक मोबाइल दुकानदार को अगवा कर लिया गया। लोहिया नगर थाना क्षेत्र के पन्हास गांव निवासी मोबाइल दुकानदार सुमित कुमार का अपहरण दुकान बंद कर घर लौटने के दौरान कार सवार बदमाशों ने मारपीट कर कर लिया था। अपहरण की जानकारी तब मिली जब पुलिस परिजनों की शिकायत पर सीसीटीवी की जांच की। तब सुमित की किडनैपिंग का पता चला। इसके बाद पुलिस ने तफ्तीश करते हुए 26 दिसंबर को कार का पता लगा लिया और उसे चला रहे शख्स को भी गिरफ्तार कर लिया।

भाजपा व संघ की सोच घटिया : डोटासरा

राहुल गांधी की शादी पर पीसीसी चीफ ने बीजेपी को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने मंत्री सुमित गोदारा द्वारा राहुल गांधी की शादी पर दिए बयान को घटिया सोच करार दिया है। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर विफल सरकार केवल निजी टिप्पणियां कर रही है। डोटासरा ने घेरा कि प्रदेश में यमुना जल की डीपीआर तक नहीं बनी और 500 से ज्यादा स्कूल जर्जर हैं। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राज्य की भजनलाल सरकार और मंत्री सुमित गोदारा पर तीखा हमला बोला है। डोटासरा ने राहुल गांधी की सगाई को लेकर दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि सरकार के मंत्री जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, वह उनकी सोच और संस्कारों को दर्शाता है।

डोटासरा ने कहा कि आरएसएस की पाठशाला में क्या इसी तरह की बातें सिखाई जाती है। कौन कब शादी करेगा और कौन नहीं करेगा। आपको किसी के निजी जीवन में झांकने का अधिकार किसने दे दिया। सरकार के मंत्री सुमित गोदारा किस तरीके की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, क्या उनको ये ही संस्कार है। उन्होंने मंत्री गोदारा के बयान पर सवाल उठाया कि किसी के निजी जीवन पर टिप्पणी करने का अधिकार आखिर उन्हें किसने दिया है। डोटासरा ने आरोप लगाया कि सरकार के पास विकास का कोई विजन नहीं है, इसी वजह से अनर्गल बयानबाजी की जा रही है। दरअसल, गत दिवस मंत्री सुमित गोदारा ने राजधानी जयपुर में जनसुनवाई के दौरान मीडिया से बातचीत में कहा था कि प्रियंका गांधी के बेटे रेहान वाड्रा गांधी की सगाई हो रही है यह अच्छी बात है लेकिन अगर राहुल गांधी भी शादी कर ले तो तो वे भी सही चलने लग जाएंगे।

कई योजनाओं की आज तक डीपीआर नहीं बनी

डोटासरा ने कहा कि बजट घोषणाओं की हालत यह है कि 10 से 15 प्रतिशत काम भी धरातल पर नहीं उतरा है। कई योजनाओं की तो आज तक डीपीआर तक नहीं बनी। शेखावाटी के सीकर- झुंझुनूं में सरकार की ओर से यमुना जल का पानी शीघ्र लाएं जाने वाले समझौतों और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और सरकार के तमाम मंत्रियों द्वारा समय-समय पर दिए भाषणों को लेकर डोटासरा ने कहा कि पानी आना तो बहुत, अभी तो इस योजना की डीपीआर भी नहीं बनी हैं।

चुनाव आयुक्त व टीएमसी सासंद में तीखी तकरार

» बनर्जी का दावा- सीईसी ज्ञानेश कुमार ने की अभद्रता
» बोले- वह आपा खो बैठे मुझ पर उंगली उठाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेशनल जनरल सेक्रेटरी अभिषेक बनर्जी ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं, उनका दावा है कि एक मीटिंग के दौरान चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार गुस्से में आ गए और उन पर उंगली उठाई। यह टकराव वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) और बूथ लेवल अधिकारियों के साथ किए जा रहे बर्ताव को लेकर है।

इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ एक बंद

कमरे में हुई मीटिंग में कोई कसर न छोड़ने का आदेश दिया है और राज्य को घुसपैठियों से मुक्त कराने का वादा किया है। सीईसी के कथित बर्ताव पर बात करते हुए बनर्जी ने कहा, आप अपने मालिकों के प्रति जवाबदेह हैं। मैं अपने राज्य के लोगों के प्रति जवाबदेह हूं। अभिषेक ने कहा, उन्हें लगता है कि आवाज़ उठाकर और आक्रामक तरीके से बात करके वे सभी को चुप करा देंगे। जब हमने बोलना शुरू किया, तो वे अपना आपा खोने लगे। उन्होंने हममें से कुछ को रोकने की कोशिश की और मेरी तरफ उंगली उठाई। तब मैंने कहा कि आप एक नॉमिनेटेड अधिकारी हैं, लेकिन मैं एक चुना हुआ प्रतिनिधि हूं। आप अपने मालिकों के प्रति जवाबदेह हैं, लेकिन मैं उन लोगों के प्रति जवाबदेह हूं जिन्होंने मुझे चुना है, जिनके लिए हम यहां यह सुनिश्चित करने आए हैं कि कोई भी सही वोटर लिस्ट से हटाया न जाए... अगर उनमें हिम्मत है, तो वे फुटेज जारी करें।"

तृणमूल कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से मुलाकात कर लगभग दस चिंताओं को उठाया, जिनमें सबसे प्रमुख पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट का चल रहा स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन था।

ब्राह्मणों के एकजुटता पर सियासी बवाल

विधानसभा-27 के चुनाव से पहले बढ़ी हलचल

» भाजपा के विधायकों के एक साथ आने पर सवाल

» कांग्रेस व सपा ने विधायकों को दिया ऑफर

» पंकज चौधरी का बयान उल्टा न पड़ जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में एक साल बाद 2027 में विधान सभा के चुनाव होने हैं। सभी सियासी दल अपनी-अपनी रणनीति पर काम करने लगे हैं। सभी दलों की निगाहें अलग-अलग जातियों पर टिकीं है। सबसे ज्यादा दांव ब्राह्मण व दलितों पर लगा हुआ है। उधर पश्चिम से लेकर पूरब तक ब्राह्मण नेताओं पर सपा, भाजपा , कांग्रेस व बसपा डोरे डाल रही हैं। अभी हाल में बीजेपी के कई ब्राह्मण विधायकों के एक साथ भोज पर बवाल मच गया।

बीजेपी अध्यक्ष ने इसके लिए चेतावनी भी दी कि इसतरह की जातीय बैठके न करें। अब इस मुद्दे पर सपा ने भाजपा अध्यक्ष को घेर लिया। सपा नेता पवन पांडेय कहना है कि भाजपा में ब्राह्मणों की कोई इज्जत नहीं है। सियासी गलियारों में ये भी चर्चा है आने वाले विस चुनावों में कहीं भाजपा को ब्राह्मणों की नाराजगी का शिकार न होना पड़े। उधर विपक्षी पार्टियों ने लखनऊ में राष्ट्रीय प्रेरणा थल पर भाजपा के तीन बड़े ब्राह्मण नेताओ मुर्ति लगाने पर भी सवाल खड़ा किया है। कुल मिलाकर यूपी में जातिवादी राजनीति आने वाले समय में और तेज होगी। आने वाला समय ही बताएगा की पलड़ा किसका भारी पड़ता है।

पश्चिमी यूपी में नए सियासी प्रयोग का दावा

भारतीय जनता पार्टी से अलग होकर नई पार्टी राष्ट्रवादी निर्माण दल बनाने वाले श्रीकांत त्यागी ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपनी राजनीतिक सक्रियता तेज कर दी है। 2026 के पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के तहत मेरठ पहुंचे श्रीकांत त्यागी ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने सामाजिक न्याय, संविधान, अपराध और पार्टी के भीतर कथित भेदभाव जैसे मुद्दों को लेकर भाजपा की नीतियों पर गंभीर सवाल खड़े किए। श्रीकांत त्यागी ने बताया कि उनकी पार्टी

चलो गांव की ओर अभियान के तहत पश्चिमी यूपी के विभिन्न जिलों का दौरा कर रही है। उनका कहना है कि पंचायत चुनाव नजदीक हैं और पार्टी अपने चुनाव चिह्न और संगठनात्मक ढांचे के साथ जमीनी स्तर पर काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि इस अभियान को गांव-गांव से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

श्रीकांत त्यागी ने लगाया ब्राह्मण समाज के शोषण का आरोप

भाजपा पर सीधा हमला बोलते हुए श्रीकांत त्यागी ने कहा कि पार्टी में ब्राह्मण समाज के हक और अधिकारों की बात करना अब गुनाह बन चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब अन्य जातीय समूहों के नाम पर बैठकें होती हैं, तो उन्हें अनदेखा कर दिया जाता है, लेकिन जैसे ही ब्राह्मण समाज अपने अधिकारों की बात करता है, पार्टी की ओर से नोटिस भेजकर दबाने का प्रयास किया जाता है। त्यागी ने कहा, भाजपा का संदेश साफ है, अगर ब्राह्मण समाज को पार्टी में रहना है तो दबकर रहो, आवाज उठाने की जरूरत नहीं। यह मानसिकता निंदनीय है और भाजपा के असली चेहरे को उजागर करती है।

अनुशासनहीन करार देकर अपमानित किया जा रहा है : अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि सार्वजनिक रूप से चेतावनी देकर और अनुशासनहीन करार देकर अपमानित किए जाने से अंततः अहंकारी शासक बेकाबू हो जाएंगे।

बृज भूषण शरण सिंह का समर्थन

पूर्व भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह ने भी बैठक का समर्थन करते हुए कहा कि मैं इसे गलत नहीं मानता। जिन्हें लगता है, उन्हें लगने दें।

ब्राह्मण विधायकों की बैठक पर भाजपा विभाजित

यूपी भाजपा में ब्राह्मण विधायकों की बैठक पर मतभेद उभर आए हैं, जहां प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने इसे अनुशासनहीनता बताया, वहीं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य समेत कई नेताओं ने इसे सामान्य मुलाकात करार दिया। पंकज चौधरी का यह तल्ख बयान ब्राह्मण समुदाय में गलत संदेश दे रहा है, जिससे उनकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठ रहे हैं और उत्तर प्रदेश भाजपा की अंदरूनी कलह सामने आ गई है। उत्तर प्रदेश भाजपा लखनऊ में पार्टी के ब्राह्मण विधायकों और एमएलसी की हालिया बैठक को लेकर विभाजित नजर आ रही है। जहां नव नियुक्त राज्य इकाई के प्रमुख पंकज चौधरी ने विधायकों को जाति आधारित ऐसी बैठकें आयोजित करने के खिलाफ चेतावनी दी है और कहा है कि भविष्य में इन्हें अनुशासनहीनता माना जाएगा। वहीं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और कई अन्य नेताओं का कहना है कि इस बैठक में कुछ भी गलत नहीं था।

इसे जातिवाद से नहीं जोड़ा जाना चाहिए : मंत्री धर्मवीर प्रजापति

मंत्री धर्मवीर प्रजापति और सुनील शर्मा ने भी इसी तरह की भावनाएं व्यक्त कीं। प्रजापति ने कहा, सत्र के दौरान विधायक इकट्ठा होते हैं और बैठकें करते हैं। इसे जातिवाद से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। शर्मा ने आगे कहा, सदन के दौरान चार से छह लोग हमेशा एक साथ बैठते हैं। अगर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोग एक साथ बैठते हैं, तो उसे उसी तरह से नाम दिया जाता है। इसमें कोई राजनीतिक इरादा नहीं था।

उपस्थित लोगों ने राष्ट्र, सनातन और पार्टी को मजबूत करने पर चर्चा की होगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से नाराज हैं प्रदेश के ब्राह्मण

इसके साथ ही अब इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि पंकज चौधरी की ओर से जारी बयान से प्रदेश के ब्राह्मण समुदाय में अच्छा संदेश नहीं गया और इस पूरे मामले को पंकज चौधरी और बेहतर तरीके से संभाल सकते थे। 23 दिसंबर को उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान, ब्राह्मण विधायकों के एक समूह ने लखनऊ में बैठक की। इस बैठक ने काफी ध्यान आकर्षित किया, जिसमें समाजवादी पार्टी के बागी विधायकों के साथ-साथ भाजपा के विधायक भी

शामिल थे। यह बैठक भाजपा के कुशीनगर विधायक पंचानंद पाठक के लखनऊ स्थित आवास पर उनकी पत्नी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित की गई थी। इसके बाद, राज्य भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने एक कड़ा बयान जारी करते हुए कहा कि जाति आधारित बैठकें संविधान और पार्टी के मूल्यों के खिलाफ हैं, और चेतावनी दी कि ऐसा दोबारा होने पर अनुशासनहीनता मानी जाएगी। हालांकि, उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य समेत भाजपा के कुछ नेताओं ने इस बात से असहमति जताई। मौर्य ने कहा, नज़रिया गलत है, उद्देश्य नहीं। लोग मिलते हैं, और उन्हें मिलना चाहिए। अगर कोई विधायक किसी के जन्मदिन, शादी की सालगिरह में जाता है या लिट्टी-चोखा खाने जाता है, तो उसे जाति आधारित बैठक नहीं माना जाना चाहिए।

भाजपा में बाहरी नेताओं और अपराधियों के मुद्दे पर सवाल

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के कांग्रेस और सपा पर दिए गए बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए त्यागी ने कहा कि भाजपा खुद यह देखे कि पार्टी में कितने नेता बाहर से आए हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कांग्रेस, सपा और बसपा से आए कई नेता आज भाजपा में महत्वपूर्ण पदों पर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा में ऐसे सांसद और विधायक मौजूद हैं जिन पर बलात्कार और अन्य गंभीर आरोप हैं और जो जेल भी जा चुके हैं। अगर अपराधियों की पार्टी की बात होती है, तो भाजपा को पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

इस साल पर्यावण के संरक्षण का लें संकल्प

“ आजकल इको टूरिज्म का चलन हैं। लोगों में जंगल घुमने का रोमांच हैं। अधिकांश वाइल्डलाइफ सेंचुरी में बाघ होंगे तो वहां के वन्य मानकों में भी वृद्धि होगी और जंगल की अवैध कटाई, अतिक्र मण, मानवीय हस्तक्षेप भी जंगल में कम होने लगेगा। बाघों की बढ़ती संख्या को बनाए रखने हेतु उनके रहवास का संरक्षण आवश्यक है।

लोगों को आने वाले साल में पर्यावण को और ज्यादा बचाने को संकल्प लेना होगा। ज्ञात हो कि अरावली को बचाने को लेकर जिस तरह से आम जनता ने आवाज उठाई वैसे ही आगे भी उठाना होगा। ताकि सरकारें मनमानी न कर सकें। उधर बाघों की बढ़ती संख्या न केवल पर्यावरण बल्कि खाद्य श्रृंखला के हित में हैं। भारत के ही भौगोलिक क्षेत्र बाघों के लिए उपयुक्त हैं। यदि वाइल्ड लाइफ सेंचुरी में भी बाघ छोड़े जाए तो वहां की खाद्य श्रृंखला में भी सुधार होगा। आजकल इको टूरिज्म का चलन हैं। लोगों में जंगल घुमने का रोमांच हैं। अधिकांश वाइल्डलाइफ सेंचुरी में बाघ होंगे तो वहां के वन्य मानकों में भी वृद्धि होगी और जंगल की अवैध कटाई, अतिक्र मण, मानवीय हस्तक्षेप भी जंगल में कम होने लगेगा। बाघों की बढ़ती संख्या को बनाए रखने हेतु उनके रहवास का संरक्षण आवश्यक है।

इसके लिए वन क्षेत्र का विस्तार, क्षतिग्रस्त वनों का पुनर्स्थापन और सुरक्षित वन्यजीव कॉरिडोर का विकास होना चाहिए। कोर एरिया के आसपास मजबूत बफर जोन बनाकर मानव हस्तक्षेप सीमित किया जाए। अवैध शिकार व जंगल कटाई पर सख्त नियंत्रण जरूरी है। साथ ही स्थानीय समुदाय की भागीदारी, शिकार प्रजातियों का संरक्षण और वैज्ञानिक प्रबंधन से बाघों का सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है। बाघों की बढ़ती संख्या वन्यजीव संरक्षण की सफलता है, लेकिन इसके साथ उनके सुरक्षित रहवास की चुनौती भी जुड़ी है। इसके लिए मौजूदा टाइगर रिजर्व का विस्तार किया जाना चाहिए और नए वन क्षेत्र विकसित किए जाने चाहिए। रणथंभौर और सरिस्का रिजर्व जैसे क्षेत्रों में बफर जोन को मजबूत करना जरूरी है, ताकि मानव-वन्यजीव संघर्ष कम हो। जंगलों के बीच कॉरिडोर विकसित कर बाघों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही, स्थानीय समुदायों की भागीदारी, वन संसाधनों का संतुलित उपयोग, अवैध शिकार पर सख्त निगरानी और पर्याप्त पानी-शिकार की उपलब्धता आवश्यक है। संरक्षण तभी सफल होगा जब विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाया जाए। बाघों की बढ़ती संख्या के साथ उनके संरक्षण और मानव-बाघ संघर्ष को कम करने के लिए बहुआयामी प्रयास आवश्यक हैं। इसके लिए आधुनिक निगरानी तकनीकों जैसे कैमरा ट्रैप, ड्रोन और सैटेलाइट इमेज का उपयोग किया जाना चाहिए। सख्त कानून प्रवर्तन, वन्यजीव गलियारों का निर्माण, अवैध शिकार व तस्करी पर नियंत्रण जरूरी है। साथ ही भोजन आधार (जैसे हिरण और जंगली सुअर) बढ़ाने, प्राकृतिक आवासों की रक्षा-बहाली, वनों की कटाई रोकने और जन-जागरूकता व वैज्ञानिक प्रबंधन पर विशेष ध्यान देना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दुनिया के लिए खतरे की घंटी ईरानी जल संकट

मुकुल व्यास

ईरान इस समय भीषण जल संकट का सामना कर रहा है। राजधानी तेहरान में हालत इतनी खराब है कि ईरानी राष्ट्रपति को कहना पड़ रहा है कि यदि हालात नहीं सुधरे तो शहर वासियों को कहीं और ले जाना पड़ेगा। ईरान में पानी की कमी की जड़ें दुनिया के कई दूसरे हिस्सों जैसी ही हैं। इसके लिए जो कारण जिम्मेदार हैं उनमें दशकों तक जरूरत से ज्यादा पानी निकालना, पुराना, लीक होता इन्फ्रास्ट्रक्चर; नदियों पर बने बांधों की बढ़ती संख्या और कुप्रबंधन शामिल है। इन सबके बीच जलवायु परिवर्तन का असर भी है, जिससे मौसम ज्यादा गर्म और शुष्क हो रहा है। इस वजह से साल-दर-साल सूखे हुए जलाशय भर नहीं पा रहे हैं। ईरान का भयंकर सूखा पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी चेतावनी है।

दुनिया में ताजा पानी खतरनाक दर से लुप्त हो रहा है। दो दशकों से अधिक समय तक उपग्रहों से किए गए अध्ययन से पता चलता है कि जलवायु परिवर्तन, भूजल के असंतुलित उपयोग और अत्यधिक सूखे के कारण 2002 से पृथ्वी के महाद्वीपों में ताजे पानी की अभूतपूर्व कमी हो गई है। अमेरिका की एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए नए अध्ययन में कहा गया है कि उत्तरी गोलार्ध में महाद्वीप स्तर के चार बड़े शुष्क क्षेत्र उभर रहे हैं। इनमें उत्तर-पश्चिम भारत के क्षेत्र शामिल हैं। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इन विशाल शुष्क क्षेत्रों का जल सुरक्षा, कृषि, समुद्र के स्तर और वैश्विक स्थिरता पर बुरा असर पड़ सकता है। शोध दल की रिपोर्ट के अनुसार भूमि पर शुष्क क्षेत्र हर साल कैलिफोर्निया के आकार से लगभग दोगुनी दर से बढ़ रहे हैं। चिंता की बात यह है कि शुष्क क्षेत्रों के अधिक शुष्क होने की दर आर्द्र क्षेत्रों के अधिक आर्द्र होने की दर से ज्यादा हो गई है, जिससे लंबे समय से चला आ रहा जल चक्र उलटने लगा है। उपलब्ध स्वच्छ जल पर इसके नकारात्मक प्रभाव चौंकाने वाले हैं। दुनिया की 75 प्रतिशत आबादी उन 101 देशों में रहती है जो पिछले 22 वर्षों से स्वच्छ जल की कमी झेल रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार अगले 50 से 60 वर्षों तक दुनिया की आबादी में वृद्धि जारी रहेगी। दूसरी तरफ स्वच्छ जल की उपलब्धता में भी लगातार कमी आने का खतरा है। शोधकर्ताओं ने पता लगाया है कि भूमि पर जल हानि किस प्रकार से हो रही है। उन्होंने पहली बार पाया कि जल हानि में 68 प्रतिशत हिस्सा भूजल का है जो समुद्र के स्तर में वृद्धि में ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका की बर्फ

की चादरों के संयुक्त योगदान से भी अधिक योगदान देता है। अध्ययन से जुड़े प्रमुख वैज्ञानिक जे. फैमिग्लिएटी ने कहा, ये निष्कर्ष हमारे जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में शायद अब तक का सबसे खतरनाक संदेश देते हैं। महाद्वीप सूख रहे हैं, स्वच्छ जल की उपलब्धता कम हो रही है और समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। भूजल के निरंतर अति-उपयोग के परिणाम दुनिया भर के अरबों लोगों के लिए भोजन का संकट पैदा कर सकते हैं और जल सुरक्षा को कमजोर कर सकते हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए सभी को एकजुट होकर वैश्विक जल सुरक्षा पर तत्काल कार्रवाई करनी होगी। शोधकर्ताओं ने अमेरिकी-जर्मन ग्रेविटी रिकवरी एंड क्लाइमेट एक्सपेरिमेंट (ग्रेस) और ग्रेस-फॉलोऑन मिशनों के दो दशकों से अधिक के आंकड़ों का मूल्यांकन किया और यह देखा कि 2002 के बाद से स्थलीय जल भंडारण कैसे और क्यों बदला है। स्थलीय जल भंडारण में पृथ्वी की सतह और वनस्पति जल, मिट्टी की नमी, बर्फ, हिम और भूमि पर संग्रहीत भूजल शामिल हैं। अध्ययन के प्रमुख लेखक और एरिजोना यूनिवर्सिटी के शोध वैज्ञानिक ऋषिकेश ए. चंदनपुरकर ने कहा, यह आश्चर्यजनक है कि हम बड़े पैमाने पर ऐसा जल खो रहे हैं जिसका नवीकरण नहीं किया जा सकता। ग्लेशियर और भूजल एक तरह से प्राचीन ट्रस्ट फंड हैं। सूखे जैसी जरूरत के समय ही इनका उपयोग करने के बजाय हम इन्हें हल्के में ले रहे हैं। साथ ही हम अधिक वर्षा वाले वर्षों के दौरान भूजल प्रणालियों को फिर से भरने की कोशिश नहीं कर रहे हैं और ऐसा नहीं करके मीठे पानी का बड़ा संकट उत्पन्न कर रहे हैं। अध्ययन ने 2014-15 के आसपास, 'महा अल-नीनो' वर्षों के दौरान एक ऐसे समय की पहचान की है जब जलवायु की चरम घटनाओं में वृद्धि होने लगी जिनके परिणामस्वरूप भूजल का उपयोग बढ़ गया और महाद्वीपीय शुष्कता ग्लेशियर और बर्फ की चादरों के पिघलने की दर से भी अधिक हो गई। इसके अतिरिक्त अध्ययन ने एक और उतार-चढ़ाव का खुलासा किया, जहां 2014 के बाद सूखने वाले क्षेत्र दक्षिणी गोलार्ध से ज्यादातर उत्तरी गोलार्ध में स्थित हो गए। महाद्वीपीय सूखापन में योगदान देने वाले प्रमुख कारकों में से एक उत्तरी गोलार्ध के मध्य अक्षांश वाले क्षेत्रों, उदाहरण के लिए, यूरोप में सूखे की बढ़ती चरम सीमाएं हैं।

असामान्य ठंड से निपटने को जरूरी कारगर रणनीति

पंकज चतुर्वेदी

कर्नाटक के हुबली-धारवाड़ में कभी स्वेटर की दुकान नहीं होती थी, आज वहां लोग रूम हीटर खरीद रहे हैं। यह हाल भीषण गर्मी के लिए मशहूर पूरे उत्तरी-कर्नाटक का है। धारवाड़ में तापमान लगातार 10.2 डिग्री के आसपास है। इसी तरह, गदग में न्यूनतम तापमान 10.8, बीदर में 10 डिग्री सेल्सियस, हासन में 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हासन, विजयपुर के बाजारों में पहली बार जाड़े के कपड़ों की बिक्री जमकर हो रही है। बेंगलुरु में इतनी सर्दी कभी देखी नहीं गई। उधर चेन्नई में सालों बाद 20 डिग्री से नीचे तापमान गया और समुद्र किनारे के इस महानगर के लिए यह कड़ाके की ठंड बन गया। ऊटी तो खैर राज्य का पहाड़ी क्षेत्र है लेकिन वहां भी तापमान 5.3 हो जाना अचरज है। ईरोड के तलवाड़ी में 11.4 डिग्री, डिग्री, धर्मपुरी के कुछ हिस्सों में 15 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। यही हाल आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों में है। मौसम का बदलता मिजाज समाज, अर्थव्यवस्था आदि पर दूरगामी प्रभाव डालेगा।

जलवायु परिवर्तन के लिए सरकार व समाज को चेत जाना चाहिए। भारत के दक्षिणी प्रायद्वीपीय राज्यों- तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश-तेलंगाना और केरल- को समशीतोष्ण या उष्णकटिबंधीय जलवायु के लिए जाना जाता है, जहां शीत लहर की स्थिति दुर्लभ होती है। हाल के वर्षों में ठंड के मौसम में उत्तरी हवाओं के असामान्य रूप से गहरे प्रवेश के कारण इन क्षेत्रों के आंतरिक हिस्सों में तापमान में भारी गिरावट दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक अप्रत्याशित शीत लहर के चलते कई जगह न्यूनतम तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री तक नीचे चला गया है। इसका गंभीर असर स्थानीय पारिस्थितिकी प्रणालियों और मानव जीवन पर हो रहा है। भारत के 'सेंटर फॉर स्टडी ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड पॉलिसी' का एक शोध बताता है कि साल 2021-2050 के बीच दक्षिण भारत के कई इलाकों का तापमान 0.5 डिग्री से 1.5 डिग्री तक और सर्दियों में न्यूनतम तापमान एक से दो डिग्री तक बढ़ सकता है।

यही नहीं खरीफ और रबी दोनों फसली-मौसम में वर्षा में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। रिपोर्ट में राज्यों को जलवायु जोखिम मूल्यांकन और लचीली आधारभूत संरचना निर्माण की सलाह दी गई है। बढ़ती मौसम असमानता के कारण बाढ़ के बाद जल-जनित रोग और तापमान उतार-चढ़ाव से श्वसन की समस्याएं बढ़ी हैं। मौसम की ये प्रवृत्तियां दक्षिण भारत के समाज को नई चुनौती है। दक्षिण भारत की कृषि मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय फसलों पर निर्भर करती है, जो पाले या अत्यधिक ठंड के प्रति अत्यंत संवेदनशील होती हैं। अप्रत्याशित शीत लहर से फसल को नुकसान और उपज में कमी की प्रबल संभावना होती है। दक्षिण भारत, विशेषकर केरल, कर्नाटक के मलनाड आदि पहाड़ी क्षेत्र और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में कॉफी, चाय और इलायची जैसी बागवानी फसलें उगाई जाती हैं, जो ठंड के प्रति संवेदनशील हैं।

कर्नाटक के चिकमंगलूर, कोडागु तथा केरल व तमिलनाडु के पहाड़ी क्षेत्रों में तापमान में अचानक गिरावट से पौधों की पत्तियां पाले से क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, तापमान कम होने से कॉफी के पौधों में पत्ती झुलसने की समस्या हो जाती है। ठंड की मार आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में केले की फसल पर पड़ने की संभावना है। पाला पड़ने पर पत्तियां पीली पड़ जाती हैं व फल छोटे रह जाते हैं। लंबे समय तक ठंड से नारियल व सुपारी के पौधों में विकास रुक जाता है। ऐसा ही असर सब्जी व दालों की खेती पर होगा। कर्नाटक, तमिलनाडु में अचानक शीत लहर के दौरान गायों-भैंसों को बीमारियां तो लगती ही हैं, शरीर का तापमान बनाए रखने को उन्हें अधिक आंतरिक ऊर्जा खर्च करनी पड़ती है, जिससे दूध पैदावार में 10-20 फीसदी तक की कमी होती है। आंध्र प्रदेश, विशेषकर कृष्णा और गोदावरी जिलों में झींगा और मछली पालन होता है। तालाबों में जब पानी का तापमान अचानक गिरता है, तो मछली की चयापचय दर कम हो जाती है, वे भोजन खाना बंद कर देती हैं, और रोगग्रस्त हो जाती हैं। अत्यधिक ठंड में मछलियां मर भी सकती हैं। इसी तरह झींगा फार्मों में पानी का तापमान 20 डिग्री से नीचे जाने पर झींगा का विकास रुक जाता है जिससे किसानों को नुकसान होता है। अचानक जाड़ा पड़ने के साथ ही दक्षिण भारत में बड़ी संख्या में सांस और खांसी के मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं।

चूंकि उनकी जीवनशैली और आवास हल्के मौसम के अनुरूप बने हैं, अचानक और तीव्र ठंड के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो दक्षिण भारत में पड़ रही अधिक ठंड अल्पकालिक मौसमी विसंगतियों जैसे - ठंडी हवाओं का गहरा प्रवेश, साफ आसमान, चक्रवात के अप्रत्यक्ष असर का परिणाम है। लेकिन, जलवायु परिवर्तन इस संभावना को बढ़ाता है कि शीत लहर जैसी चरम-मौसम की घटनाएं असामान्य रूप से तीव्र या अप्रत्याशित हो सकती हैं। दक्षिण भारत के राज्यों में जलवायु परिवर्तन न केवल औसत तापमान बढ़ा रहा है, बल्कि मौसमी घटनाओं को चरम और अप्रत्याशित बना रहा है। शीत लहर ने उजागर किया है कि आंतरिक कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे क्षेत्र अब अत्यधिक ठंड के प्रति असुरक्षित हैं। दक्षिण भारतीय राज्यों में, जहां बुनियादी ढांचा व जीवनशैली गर्मी और आर्द्रता के अनुरूप बनी है, वहां अप्रत्याशित ठंड से निपटने के लिए सरकारों को बहुआयामी और दूरदर्शी रणनीति अपनाने की जरूरत है।

जोड़ों का दर्द
सर्दियों में राहत देंगे ये योगासन

सर्दियों के मौसम में शरीर की जकड़न, जोड़ों में दर्द और हड्डियों की कमजोरी आम समस्या बन जाती है। ठंडी हवा के कारण शरीर का ब्लड सर्कुलेशन धीमी हो जाती है और हड्डियों में कैल्शियम का अवशोषण भी कम होने लगता है। ऐसे में दवाइयों के बजाय अगर आप योगासन को अपनी दिनचर्या में शामिल करें तो न केवल हड्डियों की मजबूती बढ़ती है बल्कि शरीर लचीला और ऊर्जावान भी बना रहता है। योग सिर्फ शरीर को लचीला नहीं बनाता बल्कि हड्डियों की नींव को भी मजबूत करता है। सर्दियों में अगर आप रोजाना 15-20 मिनट इन आसनों को करें, तो आपको न सिर्फ दर्द से राहत मिलेगी बल्कि जोड़ों में लचीलापन और ऊर्जा भी महसूस होगी।

ताड़ासन

ताड़ासन शब्द ताड़ के वृक्ष से लिया गया है। इसीलिए, इसे अंग्रेजी में Palm Tree Posture कहते हैं। जिस प्रकार से ताड़ का पेड़ एक सीध में खड़ा रहता है उसी प्रकार से ताड़ासन योग किया जाता है। यह एक बेहतरीन योगासन है, जिसे आप आसानी से अपने घर में कर सकते हैं। यह आसन हड्डियों और रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है। पैरों, घुटनों और एड़ियों में खिंचाव देकर उन्हें मजबूत करता है। शरीर के पोस्चर में सुधार लाता है। अभ्यास के लिए पैरों को मिलाकर खड़े हों, हाथों को ऊपर उठाएं और एड़ियों पर उठ जाएं। धीरे-धीरे सांस लेते हुए पूरा शरीर खींचें। 10-15 सेकंड तक इस स्थिति में रहें। इसके साथ ही यह आपके बैलेंस को बेहतर बनाता है। जिनकी लंबाई नहीं बढ़ रही है उन्हें ताड़ासन नियमित रूप से करना चाहिए।

भुजंगासन

भुजंगासन या सर्प मुद्रा लोकप्रिय योग आसनों में से एक है। हठ योग में भुजंगासन का विशेष महत्व रहा है क्योंकि यह स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से शरीर की सभी प्रणालियों को लाभ पहुंचाता है। भुजंगासन, नाम संस्कृत शब्द 'भुजंगा' से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'सांप' या 'सर्प' और 'आसन' का अर्थ है 'आसन'। भुजंगासन पेट को कम करने और रीढ़ को मजबूत करने में मदद कर सकता है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह रक्त परिसंचरण को बेहतर बनाने में भी मदद करता है। भुजंगासन के अभ्यास के लिए पेट के बल लेट जाएं, हथेलियों को कंधों के पास रखें और सांस लेते हुए सिर व सीना ऊपर उठाएं। 10-15 सेकंड तक रुकें, फिर धीरे से नीचे आएं। यह रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है। हड्डियों और मांसपेशियों में रक्त प्रवाह बढ़ाता है। पीठ और कमर के दर्द में राहत देता है।

वृक्षासन

वृक्षासन पैरों, टखनों और घुटनों की हड्डियों को मजबूत करता है। शरीर के संतुलन और एकाग्रता को बढ़ाता है। और ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव में सहायक है। अभ्यास के लिए एक पैर पर खड़े हों और दूसरे पैर को जांघ पर रखें हाथों को ऊपर जोड़ें और ध्यान केंद्रित रखें। 20 सेकंड तक मुद्रा में रहें। शुरुआत में किसी भी प्रकार के योगासन का अभ्यास किसी विशेषज्ञ की निगरानी में करना चाहिए। अगर आप ओवरवेट हैं यानी आपका वजन काफी ज्यादा है, आपको इस आसान को करने से बचना चाहिए। गठिया, माइग्रेन, अनिद्रा और रक्तचाप की समस्या से ग्रसित लोगों को इस आसन को नहीं करना चाहिए। जिन लोगों को वर्टीगो यानी चक्कर आने की समस्या होती है, उन्हें भी इस योगासन का अभ्यास करने से बचना चाहिए।

त्रिकोणासन

त्रिकोणासन हमारे शरीर के लिए काफी फायदेमंद है। इस आसन का अभ्यास जांघों, घुटनों और कूल्हों की हड्डियों को मजबूत करता है। शरीर के दोनों ओर का संतुलन बनाए रखता है। कैल्शियम और विटामिन डी के अवशोषण में मदद करता है। दोनों पैरों को फैलाकर खड़े हों, एक हाथ ऊपर और दूसरा पैर की उंगलियों की ओर झुकाएं। धीरे-धीरे सांस लेते हुए 15 सेकंड तक इस मुद्रा में रहें, फिर पक्ष बदलें।

हंसना मना है

एक खरगोश रोज एक लोहार की दुकान पर जाता और पूछता गाजर है? लोहार इंकार कर देता। एक दिन लोहार को बहुत गुस्सा आया और उसने पकड़कर खरगोश के दांत तोड़ दिए। और कहा अब तू गाजर खा के दिखा? फिर क्या अगले दिन खरगोश आया और पूछने लगा -गाजर का हलवा है?

पोता- दादी आपने कौन-कौन से देश घूमे हैं? दादी- अपना पूरा हिंदुस्तान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, उज़्बेकिस्तान, पोता- अब कौन सा घूमोगी, पीछे से छोटा पोता बोला-कब्रिस्तान, दे चप्पल दे चप्पल कमर लाल कर दी..

एक युवती ने अपना मंगेतर सहेली को दिखाया तो वो बोली- 'लड़का तो ठीक-ठाक है, पर जब हंसता है तो इसके दांत बिलकुल भी अच्छे नहीं लगते।' युवती- 'वैसे भी मैं शादी के बाद इसे हंसने का मौका ही कब दूंगी।'

एक औरत ने पंडित जी से घर की खुशहाली का उपाय पूंछा, पंडित जी .. बेटी पहली रोटी गाय को खिलाया करो और आखिरी रोटी कुत्ते को, औरत- पंडित जी मैं ऐसा ही करती हूं, पहली रोटी खुद खाती हूं और आखिरी रोटी अपने पति को खिलाती हूं, पंडित बेहोश!

कहानी | जैसे को तैसा

एक बार की बात है सीतापुरी गांव में जीर्णधन नाम का एक बनिया रहता था। उसका काम कुछ अच्छा नहीं चल रहा था, इसलिए उसने धन कमाने के लिए विदेश जाने का फैसला किया। उसके पास कुछ ज्यादा पैसे या कोई कीमती वस्तु नहीं थी। सिर्फ उसके पास एक लोहे का तराजू थी। उसने वो तराजू साहूकार को धरोहर के रूप में दे दिया और बदले में कुछ रुपये ले लिए। जीर्णधन ने साहूकार से कहा कि वह विदेश से लौटकर अपना उधार चुका कर तराजू वापस ले लेगा। जब दो साल बाद वह विदेश से लौटा, तो उसने साहूकार से अपना तराजू वापस मांगा। साहूकार बोला कि वो तराजू तो चूहों ने खा लिया। जीर्णधन समझ गया कि साहूकार की नियत खराब हो गई है और वह तराजू वापस करना नहीं चाहता। तभी जीर्णधन के दिमाग में एक चाल सूझी। उसने साहूकार से कहा कि कोई बात नहीं अगर तराजू चूहों ने खा लिया है, तो इसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं है। सारी गलती उन चूहों की है। थोड़ी देर बाद उसने साहूकार से कहा कि दोस्त मैं नदी में नहाने जा रहा हूं। तुम अपने बेटे धनदेव को भी मेरे साथ भेज दो। वो भी मेरे साथ नहा आएगा। साहूकार, जीर्णधन के व्यवहार से बहुत खुश था, इसलिए उसने जीर्णधन को सज्जन पुरुष जानकर अपने बेटे को उसके साथ नहाने के लिए नदी पर भेज दिया। जीर्णधन ने साहूकार के बेटे को नदी से कुछ दूर ले जाकर एक गुफा में बंद कर दिया। उसने गुफा के दरवाजे पर बड़ा-सा पत्थर रख दिया, जिससे साहूकार का बेटा बचकर भाग न पाए। साहूकार के बेटे को गुफा में बंद करके जीर्णधन वापस साहूकार के घर आ गया। उसे अकेला देखकर साहूकार ने पूछा कि मेरा बेटा कहां हैं। जीर्णधन बोला कि माफ करना दोस्त तुम्हारे बेटे को चील उठाकर ले गई है। साहूकार हैरान रह गया और बोला कि ये कैसे हो सकता है? चील इतने बड़े बच्चे को कैसे उठा ले जा सकती है? जीर्णधन बोला जैसे चूहे लोहे के तराजू को खा सकते हैं, वैसे ही चील भी बच्चे को उठाकर ले जा सकती है। अगर बच्चा चाहिए, तो तराजू लौटा दो। जब अपने ऊपर मुसीबत आई तब साहूकार को अक्ल आई। उसने जीर्णधन का तराजू वापस कर दिया और जीर्णधन ने साहूकार के बेटे को आजाद कर दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष – नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। परीक्षा आदि में सफलता मिलेगी। पारिवारिक कष्ट एवं समस्याओं का अंत संभव है।

तुला – जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। अर्थ प्राप्ति के योग बनेंगे। विवादों से दूर रहना चाहिए।

वृषभ – शत्रु सक्रिय रहेंगे। कुसंगति से हानि होगी। व्ययवृद्धि होगी। लेन-देन में सावधानी रखें, जोखिम न लें। किसी शुभचिंतक से मेल-मुलाकात का हर्ष होगा।

वृश्चिक – बेरोजगारी दूर होगी। विवाद न करें। संपत्ति की खरीद-फरोख्त हो सकती है। आय बढ़ेगी। मन में उत्साहपूर्ण विचारों के कारण समय सुखद व्यतीत होगा।

मिथुन – यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। आकस्मिक लाभ व निकटजनों की प्रगति से मन में प्रसन्नाता रहेगी।

धनु – रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। नए कार्यों से जुड़ने का योग बनेगा। पारिवारिक जीवन सुखद नहीं रहेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

कर्क – कार्यस्थल पर परिवर्तन लाभ में वृद्धि करेगा। योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे। कष्ट होगा। पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ने से व्यस्तता बढ़ेगी। कार्य में नवीनता के भी योग हैं।

मकर – बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। भागदौड़ रहेगी। आय में कमी होगी। किसी कार्य में प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से जुड़ने की प्रवृत्ति आपके लिए शुभ रहेगी।

सिंह – कानूनी अड़चन दूर होगी। अध्यात्म में रुचि रहेगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रुके धन के लिए प्रयत्न जरूर करें। कार्य का विस्तार होगा।

कुम्भ – मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। दूर रहने वाले व्यक्तियों से संपर्क के कारण लाभ हो सकता है।

कन्या – चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा। प्रयास अधिक करने पर भी उचित सफलता मिलने में संदेह है।

मीन – मेहमानों का आवागमन होगा। व्यय होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे। व्यर्थ समय नष्ट न करें। रुका पैसा मिलेगा।

फिर बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ाने आ रहे हैं अल्लू अर्जुन

पुष्पा 2 से साल 2024 में अल्लू अर्जुन ने बॉक्स ऑफिस पर खूब भौकाल मचाया था। एक्टर की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 1800 करोड़ का कलेक्शन कर इतिहास रच दिया था। वहीं पैन इंडिया सुपरस्टार अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स से एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने की तैयारी कर रहे हैं। उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में पौराणिक कथाओं से लेकर साइंस फिक्शन, एक्शन और पैन इंडिया फिल्में शामिल हैं।

अल्लू अर्जुन फिलहाल जवान डायरेक्टर एटली संग मच अवेटेड फिल्म AA22×A6 कर रहे हैं। ये फिल्म का टेंटेटिव टाइटल है। इस फिल्म की लागत 800 करोड़ बताई जा रही है और कहा जा रहा है कि ये फिल्म साल 2027 में सिनेमाघरों में दस्तक दी। फिल्म की स्टार कास्ट की बात करें को इसमें अल्लू अर्जुन के अलावा दीपिका पादुकोण, जाह्नवी कपूर और मृणाल ठाकुर भी अहम रोल में नजर आएंगी। फैंस को इस मूवी का बेसब्री से

इंतजार है। अल्लू अर्जुन लियो और कैथी के निर्देशक लोकेश कनगराज की AA23 (टेंटेटिव टाइटल) में भी काम कर रहे हैं। इस अनटाइटल्ड एक्शन थ्रिलर के साल 2028 के आसपास रिलीज़ होने की उम्मीद है। हालांकि अभी तक इसकी ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है। अल्लू अर्जुन की अपकमिंग फिल्मों की लिस्ट में त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ एक पौराणिक फिल्म भी शामिल है। इस फिल्म का बजट 1000 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। गौरतलब है कि इस पौराणिक एपिक फिल्म में अल्लू अर्जुन भगवान कार्तिकेय की भूमिका निभा सकते हैं। ये फिल्म भी साल 2028 में रिलीज़ हो सकती है।

एनिमल के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म में भी अल्लू अर्जुन नजर आएंगे। इसकी पुष्टि हो चुकी है लेकिन रिलीज़ की डेट के बारे में कुछ भी अनाउंस नहीं किया गया है। हो सकता है वांगा के वर्तमान प्रोजेक्ट पूरे होने के बाद ये फिल्म आए।

पुष्पा फ्रेंचाइजी की दो फिल्में ब्लॉकबस्टर रही हैं और इन दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की थी। वहीं अल्लू अर्जुन इसके तीसरे पार्ट की तैयारी भी कर रहे हैं। फिलहाल पुष्पा 3 : द रैम्पेज का प्री-प्रोडक्शन चल रहा है। वहीं इस फिल्म के 2028 में रिलीज़ होने की संभावना है।

सूरज बड़जात्या की फिल्म ये प्रेम मोल लिया में नजर आयेंगी टीवी एक्ट्रेस सुरभि

टीवी सीरियल शगुन से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली सुरभि तिवारी लंबे वक्त से छोटे पर्दे से दूर हैं। उन्हें पिछले साल छोटा भीम एंड दकर्स ऑफ दमयान में टुनटुन मौसी की भूमिका में देखा गया था। 2022 में सुरभि ने अपनी शादीशुदा लाइफ को लेकर दर्दनाक खुलासा किया था, जिसे सुन हर कोई हैरान रह गया था। एक्ट्रेस ने बताया था कि उनके पति और ससुराल के लोग उन्हें काफी टॉर्चर करते हैं। अब सुरभि को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार सुरभि के हाथ एक बड़े बैनर की फिल्म लगी है। रिपोर्ट के अनुसार टीवी शो में काम करने के बाद सुरभि तिवारी अब बॉलीवुड डेब्यू के लिए तैयार हैं।

सुरभि जिस फिल्म में नजर आने वाली हैं, उसके प्रोड्यूसर कोई और नहीं बल्कि सूरज बड़जात्या हैं, जिन्होंने मैंने प्यार किया जैसी फिल्में बनाई हैं। रिपोर्ट के अनुसार सुरभि जिस फिल्म में नजर आएंगी उसका नाम ये प्रेम मोल लिया है। इस फिल्म में सुरभि के अलावा आयुष्मान खुराना, शरवरी वाघ, सीमा पहवा, सुप्रिया पाठक, आलोक नाथ, अनुपम खेर, मोहनीश बहल और शाद रंधावा जैसे कलाकार नजर आएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

पर्दे पर छोटी उम्र के एक्टर संग रोमांस कोई बोल्ड सीन नहीं : कोंकणा सेन

कोंकणा सेन शर्मा ने बॉलीवुड में खुद को एक भरोसेमंद एक्ट्रेस और डायरेक्टर के रूप में स्थापित कर लिया है। इस साल कोंकणा को फिल्म मेट्रो इन दिनो में देखा गया था। यहां उनकी जोड़ी पंकज त्रिपाठी के साथ जमी। इसके अलावा फिल्म में उन्हें एक यंग एक्टर, रोहन गुरबक्सानी के साथ रोमांस करते भी देखा गया। रोहन और कोंकणा की उम्र में काफी फर्क है। अगर आपको काजोल और ट्विंकल खन्ना का चैट शो टू मच याद हो, तो उसके एक एपिसोड में सलमान खान और आमिर खान से सवाल पूछा था कि जब बड़े उम्र के मेल एक्टर्स छोटी उम्र की फीमेल एक्ट्रेसेज के साथ रोमांस करते हैं, तो इसे सिनेमा का जादू कहा जाता है, जबकि उल्टा होने पर इसे बोल्ड कहा जाता है। ऐसा ही हाल ही में रणवीर सिंह के साथ हुआ, जब 20 साल की सारा अर्जुन को धुरंधर में उनकी हीरोइन के रूप में देखा गया। इस स्थिति में खुद रही होने के कारण कोंकणा सेन शर्मा ने इस मुद्दे पर अपनी राय दी है। एक्ट्रेस ने कहा, यह दर्शकों का अधिकार और उनकी मर्जी है। कोई इसे बोल्ड मान सकता है, कोई नहीं भी। मेरे लिए पर्सनल रूप से यह कोई बोल्ड कॉन्सेप्ट नहीं है, क्योंकि असल जिंदगी में अलग-अलग उम्र के कई कपल होते हैं। हम इसे मशहूर लोगों में भी देखते हैं, और धीरे-धीरे यह सामान्य होता जा रहा है। तो हमें इस पर बार-बार जोर देने की क्या जरूरत है? पर्सनली यह मेरे लिए रोचक नहीं है, लेकिन मुझे दूसरे लोगों के इस पर चर्चा करने से कोई ऐतराज नहीं है। एक्ट्रेस ने जोर दिया कि महिलाओं को कुछ खास ढांचों में फिट करने की कोशिश की जाती है, जो अन्यायपूर्ण है। उन्होंने कहा, महिला होने का कोई एक तरीका नहीं है। यह बात दुर्गा भी दर्शाती है, जो महिलाओं के अलग-अलग रोल और अलग-अलग तरीकों को दिखाती है। कोई एक निर्धारित तरीका नहीं है कि ऐसा ही होना चाहिए। इसलिए ये अच्छा है कि यह नजरिया खुल रहा है, ताकि हम इंसानों की जटिलताओं और बारीकियों को देख सकें।

इस शख्स ने बनाया मच्छरों का कब्रिस्तान, देता है डेथ सर्टिफिकेट!

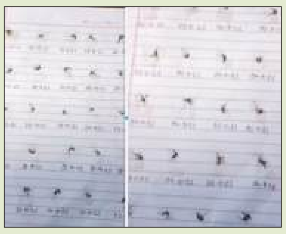

आपने कभी सोचा है कि मच्छरों का भी कब्रिस्तान हो सकता है? जी हां, सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है जिसने लोगों को हंसी और हैरानी दोनों में डाल दिया है। एक शख्स ने अपने मारे गए हर मच्छर को एक तरह का 'कब्रिस्तान' बनाकर संभाल रखा है। हर मच्छर की बॉडी को टेप से सफेद कागज पर चिपकाया गया और उसके साथ उसकी मौत की तारीख मेंशन कर दी गई। यह वीडियो सबसे पहले इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया जहां से ये वायरल हो गया। लोग इसे मच्छरों की जन्मकुंडली भी बताते नजर आए। वायरल वीडियो में एक शख्स अनोखी किताब दिखाता नजर आया। सबसे पहले उसने अपने हाथ में एक मरा मच्छर दिखाया। इसके बाद उसने मच्छर को चिपकाने के लिए एक कॉपी खोली। इसे देखते ही सब दंग रह गए। दरअसल, इस कॉपी में पहले से कई मच्छर मार कर चिपकाए गए थे। हर मच्छर की बॉडी के नीचे उसकी मौत की डेट मेंशन थी। ये देखने के बाद लोगों को यकीन नहीं हुआ। इससे पहले भी एक कंटेंट क्रिएटर ने ऐसा ही वीडियो पोस्ट किया था। कंटेंट क्रिएटर आकांक्षा रावत ने अपनी बहन (या दोस्त) के इस अजीब शौक को दिखाया था। वहां तो मारे गए मच्छरों के नाम भी लिखे थे। वायरल वीडियो को लोग जहां मच्छर की जन्मकुंडली बता रहे हैं वहीं कुछ ने इसे डेथ सर्टिफिकेट बताया। वीडियो में लाखों व्यूज आ चुके हैं। आपको बता दें कि पहले भी 2020 में एक युवा आर्टिस्ट ने ऐसा ही संग्रह शेयर किया था, जहां मच्छरों को नंबर देकर रखा गया था। लेकिन इस बार नाम, तारीख और जगह के साथ यह ज्यादा डिटेल्ड और फनी है। भारत में मच्छरों की समस्या बहुत बड़ी है। डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियां हर साल हजारों लोगों की जान लेती है। ऐसे में लोग मच्छर मारना तो दूर, उनसे डरते हैं। लेकिन इस वीडियो ने मच्छरों को 'परसनलाइज' करके एक हल्का-फुल्का मजाक बना दिया है।

अजब-गजब | यहां है अनोखा जेल, मोटे लोग होते हैं कैदी

इस जेल में 28 दिन तक बंद रहकर घटाते हैं वजन, चुकाते हैं कीमत!

आपने फिल्मों में या किसी डॉक्यूमेंट्री में जेल तो देखा ही होगा। जेलों में अपराधियों को बंद किया जाता है। पर क्या आपने कभी ऐसे जेल के बारे में सुना है, जहां अपराधियों को नहीं मोटे लोगों को बंद किया जाता है? हाल ही में एक ऐसे जेल के बारे में चर्चा शुरू हो गई है जो चीन में है। इसमें 28 दिनों तक बंद रहकर लोग अपना वजन घटाते हैं। इस जेल में बंद होने के लिए उन्हें कीमत चुकानी पड़ती है।

चीन में वजन घटाने के लिए एक बेहद अनोखा तरीका सामने आया है जिसके विवाद भी खड़े कर दिए हैं। इस तरीके को फैट जेल कहा जा रहा है। ये सेना के तरीके से बनाए गए बंद कैंप हैं, जहां मोटापे से जूझ रहे लोगों को 28 दिनों के लिए लगभग कैद जैसी परिस्थितियों में रखा जाता है। इन कैंपों का दावा है कि सख्त अनुशासन, इंटेंस एक्सरसाइज और नियंत्रित खानपान के जरिए कुछ ही हफ्तों में तेजी से वजन कम कराया जा सकता है। इन कैंपों की सच्चाई हाल ही में एक ऑस्ट्रेलियाई महिला ने सोशल मीडिया पर उजागर की है। 28 वर्षीय महिला, जो इंस्टाग्राम पर @eggeats नाम से जानी जाती हैं, ने अपने चार हफ्तों के अनुभव को वीडियो और पोस्ट के जरिए साझा किया। उन्होंने बताया कि इस 28 दिन के कार्यक्रम के लिए उन्हें करीब 1000 डॉलर (लगभग 89 हजार रुपये) खर्च करने पड़े।

महिला के अनुसार, कैंप में दिन की शुरुआत बेहद सख्त दिनचर्या से होती है। रोजाना करीब चार घंटे तक लगातार एक्सरसाइज कराई जाती है। इसमें सबसे पहले ग्रुप एरोबिक्स क्लास होती है, इसके बाद हाई-इंटेंसिटी ट्रेनिंग, फिर एक और एरोबिक्स सत्र और आखिर में तेज रफ्तार स्पिन क्लास कराई जाती है। यह पूरा शेड्यूल शारीरिक रूप से काफी थकाने वाला होता है। कैंप में खाने-पीने पर भी पूरी तरह नियंत्रण रहता है। दिन में तीन बार तय मात्रा में भोजन ट्रे में परोसा जाता है। नाश्ता काफी हल्का होता है, जबकि दोपहर के भोजन में ब्रेज्ड डक, तली हुई सब्जियां और कच्ची गाजर जैसी चीजें दी जाती हैं। खाने की मात्रा पहले से तय होती है, जिससे कोई अतिरिक्त कैलोरी न ली जा सके। कैंप में प्रवेश करते समय सभी प्रतिभागियों से 'प्रतिबंधित' खाद्य पदार्थ जमा करा लिए जाते हैं। इसमें इंस्टेंट नूडल्स, सूखे स्नैक्स और तले-भुने पैकेट फूड शामिल हैं। इन चीजों को कैंप के भीतर ले जाने की इजाजत नहीं होती। इस 'फैट जेल' की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि प्रतिभागी बिना वैध कारण के कैंप से बाहर नहीं जा सकते। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में दिखता है कि पूरा परिसर ऊंची कंक्रीट की दीवारों, लोहे के गेट और इलेक्ट्रिक वायरिंग से घिरा हुआ है। प्रवेश और निकास द्वारों पर सुरक्षा गार्ड तैनात रहते हैं, जिससे यह जगह किसी सुधार गृह जैसी लगती है। हालांकि, महिला ने यह भी बताया कि यह कैंप पूरी तरह कठोर नहीं है। हर दिन कुछ समय का खाली वक्त (डाउनटाइम) मिलता है और रविवार को आराम दिया जाता है, हालांकि शाम को फिर से एक्सरसाइज क्लास होती है। रहने की व्यवस्था शेयरिंग रूम्स में होती है, जहां एक कमरे में पांच लोग रहते हैं। हालांकि, हर व्यक्ति को अपनी अलग जगह, निजी डेस्क और अलमारी दी जाती है। शौचालय और नहाने की सुविधा बाहर होती है, जिसमें हाई-प्रेशर शॉवर और स्क्वैट टॉयलेट शामिल हैं।

महिला के मुताबिक, उन्होंने सिर्फ सात दिनों में 2.25 किलो वजन कम किया और 14वें दिन तक कुल 14 किलो वजन घट चुका था। अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा, मैंने यहां बहुत सारे दोस्त बनाए। यहां सभी लोग अच्छे और बिना जज किए बात करते हैं, क्योंकि हम सबका एक ही लक्ष्य है- वजन कम करना।

विजयवर्गीय के बोल से सियासी उबाल

विपक्ष समेत आम जन ने मंत्री के बयान पर जताई आपत्ति

» विवाद बढ़ने के बाद मंत्री कैलाश ने मांगी माफी
» नेता प्रतिपक्ष इंदौर दूषित पानी कांड पर भाजपा सरकार पर बरसे
» कांग्रेस ने बनाई जांच समिति
» दूषित पानी से बिगड़ रहे थे हालात, पार्षद झुल रहे थे झूला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से गंदा पानी पीने से लोगों की मौत से जुड़ा सवाल किया तो मंत्री ने कहा- फोकट प्रश्न मत पूछो। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। विवाद बढ़ने के बाद मंत्री ने माफी भी मांगी है। हालांकि मंत्री के इसव्यवहार की चारों ओर निंदा हो रही है। विपक्ष से लेकर आमजन तक उनकी आलोचना कर रहे हैं। लेकिन इस वायरल वीडियो में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के अलावा एक और शख्स पत्रकार के उलझता नजर आया।

उलझते हुए इस शख्स ने मंत्री विजयवर्गीय का बचाव किया। जान कर हैरानी होगी कि दूषित पानी से 10 लोगों की मौत के बाद भी मंत्री के अनाप-शनाप का बचाव करने वाला यह शख्स उसी भागीरथपुरा का पार्षद है, जहां दूषित पानी से लोग मर रहे हैं। वायरल वीडिया में स्काई ब्लू कुर्ता और बंटी पहने नजर आ रहे शख्स भागीरथपुरा के पार्षद कमल वाघेला है। कमल वाघेला भाजपा के पार्षद है. इनका काम अपने क्षेत्र की समस्याओं को दूर करना है. लेकिन जब भागीरथपुरा में दूषित पानी से लोग परेशान थे, तब ये नेता जी झूला झुल रहे थे। दरअसल सोशल मीडिया पर एक और वीडियो वायरल हुआ है. जिसमें इंदौर के भागीरथपुरा के पार्षद कमल वाघेला पार्क में झूला झुलते नजर आ रहे हैं। बताया बताया जा रहा है कि यह वीडियो 30 दिसंबर की शाम का है। जब भागीरथपुरा में दूषित पानी से हालात लगातार बिगड़ रहे थे।कमल वाघेला पर आरोप है कि चार महीने तक क्षेत्र की परेशानी पर इन्होंने कोई त्वरित फैसला नहीं लिया।

भाजपा ने नए साल की खुशियों को मातम में बदल दिया

आपदा नहीं सरकारी लापरवाही है: सिंघार

इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी पीने से 8 लोगों की मौत और सैकड़ों लोगों के बीमार होने की घटना को लेकर प्रदेश की राजनीति तेज हो गई है। कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। एक ओर मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मामले की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति गठित की है, वहीं दूसरी ओर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इसे प्रशासनिक लापरवाही बताते हुए उच्चस्तरीय जांच, दोषियों पर कार्रवाई और पीड़ितों को मुआवजा देने की मांग की है। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने 31 दिसंबर 2025 को जारी पत्र में कहा कि देश के सबसे साफ शहर कहे जाने वाले इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतें सरकार की गंभीर विफलता को उजागर करती हैं। इस घटना की जांच के लिए गठित समिति में पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा, पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह, विधायक भंवर सिंह शेखावत (बदनावर-इंदौर), विधायक महेश परमार (तराना-उज्जैन) और विधायक प्रताप ग्रेवाल (सरदारपुर-धार) को शामिल किया गया है। समिति को निर्देश दिए गए हैं कि वह इंदौर पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात करे और 5 जनवरी 2026 तक अपनी रिपोर्ट पार्टी कार्यालय को सौंपे। इधर, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र और जारी बयान में कहा कि भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी की सप्लाई से हजारों लोग बीमार हुए हैं और 8 नागरिकों की जान जा चुकी है। उन्होंने कहा कि यह कोई प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही और सरकार की घोर विफलता का नतीजा है। उमंग सिंघार ने तंज कसते हुए कहा कि साल के अंतिम दिन भाजपा सरकार ने नए साल की खुशियों को मातम में बदल दिया। उन्होंने हाल ही में पेश किए गए 2047 के विजन डॉक्यूमेंट पर सवाल उठाते हुए कहा कि गुलाबी भविष्य के दावों के बीच इंदौर जैसी घटना सरकार की हकीकत को उजागर करती है। नेता प्रतिपक्ष ने मांग की कि पूरे मामले की तत्काल उच्चस्तरीय जांच हो, दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए और प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अब जनता की सेहत के साथ किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

भारतीय टीम में हो सकती है मोहम्मद शमी की वापसी

» घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद बीसीसीआई की बदली सोच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बीसीसीआई के चयनकर्ता मोहम्मद शमी को लेकर बड़ा यू-टर्न ले सकते हैं। लंबे समय से फिटनेस, फॉर्म और भविष्य को लेकर चल रही अटकलों के बीच 35 वर्षीय तेज गेंदबाज एक बार फिर चयनकर्ताओं के रडार पर हैं। 2027 वनडे वर्ल्ड कप अब उनकी संभावित वापसी के लिए एक अहम संदर्भ बिंदु बनता दिख रहा है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने संकेत दिया कि शमी की घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन पर करीबी नजर रखी जा रही है। शमी अब चयन की दौड़ से बाहर नहीं हैं और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में उनका नाम चौंकाने वाला नहीं होगा। चयनकर्ता मानते हैं कि इस स्तर के गेंदबाज को विकेट लेना आता है, असली चिंता केवल फिटनेस को लेकर है।

शमी का मामला इसलिए भी खत्म नहीं हुआ क्योंकि उनके आंकड़े लगातार पक्ष में बोलते रहे हैं। हाल के छह घरेलू मैचों में उन्होंने 17 विकेट लिए हैं, जिनमें विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी शामिल हैं। रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सत्र में भी उन्होंने सिर्फ चार मैचों में 20 विकेट झटककर साबित किया कि उनकी धार अब भी कायम है। शमी की राह में सबसे बड़ा रोड़ा हमेशा फिटनेस रही है। 2023 वर्ल्ड कप के बाद से उन्हें टखने और घुटने की बार-बार चोटों से जूझना पड़ा। सर्जरी और लंबे रिहैब ने उनकी निरंतरता तोड़ी, जिससे चयनकर्ता सतर्क रहे। हालांकि, शमी ने कई बार यह दावा किया कि वह फिट हैं और बंगाल के लिए घरेलू क्रिकेट खेलकर उन्होंने इसे साबित भी किया। अब हालात बदलते दिख रहे हैं। शमी नियमित गेंदबाजी कर रहे हैं और विकेट निकाल रहे हैं। चयनकर्ताओं का रुख नरम पड़ रहा है और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज से उनकी वापसी संभव मानी जा रही है। 2027 वर्ल्ड कप की तैयारी कर रही टीम इंडिया के लिए बड़े टूर्नामेंट में भरोसेमंद विकेट-टेकर की अहमियत किसी से छिपी नहीं है।

अफगान ने टी20 विश्वकप के लिए घोषित की टीम

काबुल। अफगानिस्तान ने फरवरी में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। राशिद खान इस वैश्विक टूर्नामेंट में टीम की अगुआई करेंगे। वहीं, गुलबदिन नईब और नवीन उल हक की टीम में वापसी हुई है। अफगानिस्तान 2024 टी20 विश्वकप की बेहतरीन टीमों में से एक थी। टीम पहली बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी, लेकिन उसे दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा था। अफगानिस्तान की नजरें अब अपने प्रदर्शन में सुधार लाने पर टिकी होंगी। इब्राहिम जदरान को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। नवीन कंधे की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। टीम में ऑफ स्पिनर मुजीब उर रहमान भी शामिल हैं। उनके शामिल होने से स्पिनर ए एम गजनफर को रिजर्व में रखा गया है।

सरकार कर्मचारियों को परेशान न करे

» वाईएसआरसीपी का सीएम नायडु पर हल्ला बोल, कहा- सुविधाएं दो, वरना कर्मचारियों को बदनाम करना बंद करो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) ने टीडीपी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को चेतावनी दी है कि बुनियादी सुविधाएं दिए बिना ग्राम सचिवालय कर्मचारियों पर दोष मढ़ने की कोशिश न करें। पार्टी ने कहा कि एनडीए सरकार कर्मचारियों को परेशान न करे। पार्टी के कर्मचारी एवं पेंशनभोगी विंग के प्रदेश अध्यक्ष नलारू चंद्र शेखर रेड्डी ने कहा कि सरकार 28,000 से अधिक ग्राम सचिवालय कर्मचारियों को माना मित्र ऐप के उपयोग के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा न करने के लिए ज्ञापन जारी करने की योजना बना रही है।

उन्होंने कहा कि लोगों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल को लेकर डर का माहौल है और केवल 20 प्रतिशत लोग ही इनका इस्तेमाल कर रहे हैं। गठबंधन सरकार का मानना है कि सबके पास स्मार्टफोन है और वे इसका इस्तेमाल कर सकते हैं और ऐप अपलोड कर सकते हैं, जो कि सच नहीं है। उन्होंने कहा कि गठबंधन अपनी कर्मचारी-विरोधी नीति को जारी रखते हुए चारों कर्मचारियों को महंगाई भत्ता (डीए), आयकर (आईआर), पीआरसी आदि नहीं दे रहा है और उनके सभी वित्तीय लाभ रोक दिए गए हैं, तथा उनकी बचत को अन्य उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। इस बीच, पुलिस के अनुसार, पश्चिम गोदावरी जिले के पूर्वी चोडावरम गांव में पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के फ्लेक्स बैनर के सामने शराब के नशे में एक बकरी का सिर काटने के आरोप में वाईएसआरसीपी के तीन सदस्यों, कट्टुला रमेश, पुट्टा नवीन और कोंडा बट्टुला साई को नल्लाजेरला पुलिस ने गिरफ्तार कर मुख्य सड़क पर घुमाया।

सरकार ने स्वयंसेवी प्रणाली को समाप्त कर दिया है : रेड्डी

चंद्र शेखर रेड्डी ने कहा कि सरकार ने स्वयंसेवी प्रणाली को समाप्त कर दिया है और ग्राम सचिवालय प्रणाली को कमजोर कर रही है। अब सरकार उन कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने पर विचार कर रही है जो लोगों में जागरूकता लाने का काम कर रहे हैं, जबकि यह उनके कार्यक्षेत्र में शामिल नहीं है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि उचित सुविधाएं दिए बिना गठबंधन सरकार सारा दोष उन पर मढ़ रही है और ज्ञापन जारी कर रही है, जो निंदनीय है। हम मांग करते हैं कि सरकार कर्मचारियों को परेशान न करे।

आरएसएस के 100 साल वीरता के नहीं, जिम्मेदारी के : मोहन भागवत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आरएसएस के प्रमुख मोहन भगवत ने कहा है कि संघ के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देशभर में सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने इस अवसर को वीरता का कार्य नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का क्षण समझा जाना चाहिए। भगवत ने कहा कि संघ के कार्य के 100 वर्ष पूरे हो गए हैं, इसलिए देशभर में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि शताब्दी समारोह शक्ति प्रदर्शन के लिए नहीं हैं। संगठन की उत्पत्ति को याद करते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने अपने रक्त से इस संघ की स्थापना की। उन्होंने कहा कि आज हर क्षेत्र में संकट दिखाई दे रहा है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केवल समस्याओं पर चर्चा करना समाधान नहीं है।

आज बोलने वाले लोग चुप क्यों हैं: राजद

» मनोज कुमार झा बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ती हिंसा से चिंतित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज कुमार झा ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हालिया हिंसा पर केंद्र सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक स्पष्ट संदेश देना जरूरी है। झा ने कहा कि इस मामले पर बोलने वाले लोग चुप हैं। हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं और हमने हमेशा सत्ता का सुचारू और शांतिपूर्ण हस्तांतरण देखा है। हमने बांग्लादेश के निर्माण में अपना योगदान दिया है। हमें यह समझने की जरूरत है कि ऐसा क्यों हो रहा है। एक स्पष्ट संदेश देना जरूरी है, जो नहीं दिया जा रहा है।

इससे पहले, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी. हनुमंत राव ने बांग्लादेश में एक हिंदू कपड़ा कारखाने के सुरक्षा गार्ड की हत्या की निंदा की और पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों की

सुरक्षा पर गंभीर चिंता व्यक्त की। राव ने कहा कि बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में एक कारखाने के अंदर एक हिंदू मजदूर की हत्या बेहद चिंताजनक है और वहां अल्पसंख्यकों की बिगड़ती स्थिति को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि पिछले दो हफ्तों में इस तरह की यह तीसरी हत्या है, जो अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए चिंता का विषय होनी चाहिए। एक हिंदू कपड़ा कारखाने के सुरक्षा गार्ड, बाजेंद्र बिस्वास (42), की ड्यूटी के दौरान कारखाने के अंदर ही गोली मारकर हत्या कर दी गई।

राहुल गांधी की भगवान राम से तुलना करने पर कोहराम

» भाजपा ने कांग्रेस पर बोला हमला, पटोले ने बयान पर दी सफाई

» बीजेपी ने करोड़ों हिंदुओं का घोर अपमान बताया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कांग्रेस नेता नाना पटोले द्वारा राहुल गांधी की तुलना भगवान राम से किए जाने पर राजनीतिक कोहराम मच गया है। इसे भाजपा ने हिंदू भावनाओं का घोर अपमान बताया है। भाजपा प्रवक्ता सीआर केसवन ने पटोले की टिप्पणी की निंदा करते हुए सवाल किया कि राहुल गांधी अभी तक अयोध्या राम मंदिर क्यों नहीं गए, जबकि पटोले ने अपने बयान का बचाव करते हुए कहा कि राहुल भी भगवान राम की तरह न्याय के लिए लड़ रहे हैं।

भाजपा प्रवक्ता सीआर केशवन ने गुरुवार को महाराष्ट्र कांग्रेस विधायक नाना पाटोले की लोकसभा विपक्ष के नेता राहुल गांधी और भगवान राम की तुलना करने वाली टिप्पणी को हिंदू भावनाओं का घोर अपमान बताया। नाना पाटोले ने कहा कि राहुल गांधी न्याय के लिए लड़ रहे हैं, ठीक वैसे ही जैसे भगवान राम ने पीड़ितों के लिए काम किया। एक पोस्ट में भाजपा नेता ने नाना पाटोले से पूछा कि राहुल गांधी ने अभी तक अयोध्या राम मंदिर का दर्शन क्यों नहीं किया है। सीआर केशवन ने एक्स पर लिखा कि नाना पाटोले द्वारा भगवान राम की तुलना राहुल गांधी से करना करोड़ों हिंदू श्रद्धालुओं की आस्था और भावनाओं का घोर अपमान है, जिसे अक्षम्य माना जा सकता है। इससे पहले, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा दिव्य राम मंदिर जाकर देश के कल्याण के लिए प्रार्थना करने के बाद, नाना पाटोले ने अयोध्या राम मंदिर के शुद्धिकरण की मांग करके शर्मनाक हरकत की थी। नाना पाटोले की ये शर्मनाक टिप्पणियां और कुटिल मानसिकता अक्षम्य और घोर निंदनीय हैं। क्या नाना पाटोले राहुल गांधी से ये पूछने की हिम्मत करेंगे कि उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा समारोह, नाच गान कार्यक्रम का मजाक क्यों उड़ाया या राहुल गांधी अभी तक अयोध्या राम मंदिर क्यों नहीं गए?

राहुल गांधी शोषितों, पीड़ितों और वंचितों के लिए राम की तरह काम कर रहे : पटोले

राहुल गांधी के राम मंदिर न जाने के सवाल पर नाना पटोले ने कहा कि कांग्रेस भगवान राम का काम कर रही है। नाना पटोले ने कहा कि हमारे नेता

राहुल गांधी भगवान श्री राम का काम कर रहे हैं। आप जानते हैं कि भगवान श्री राम ने शोषितों, पीड़ितों और वंचितों के लिए काम किया। हमारे नेता राहुल गांधी पूरे देश में वही काम कर रहे हैं, देश की जनता को न्याय दिलाने की उनकी लड़ाई शुरू हो चुकी है। जब राम लल्ला मंदिर में ताला लगा था, तब हमारे दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने द्वार खोलने का आदेश दिया था। जब राहुल गांधी अयोध्या जाएंगे, तो वे वहां पूजा-अर्चना करेंगे। इससे पहले भी राहुल गांधी की तुलना हिंदू देवता से करने पर नाना पटोले की आलोचना हो चुकी है। अक्टूबर 2022 में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान नाना पटोले ने कहा था कि यह एक संयोग है कि दोनों के नाम आर से शुरू होते हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी की तुलना भगवान राम से नहीं करती है।

चीन के दावे पर मोदी सरकार चुप्पी तोड़े: असदुद्दीन ओवैसी

» बोले एआईएमआईएम चीफ- भारत की संप्रभुता की कीमत पर समझौता नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईएमआईएम के चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने में मध्यस्थता के चीन के दावे पर बहुत ही तीखी प्रतिक्रि या दी है। हैदराबाद के सांसद ने कहा कि चीन के इस दावे पर भारत चुप नहीं बैठा रह सकता। उन्होंने मोदी सरकार से कहा है कि उसे आधिकारिक तौर पर इस दावे का खंडन करना चाहिए और भरोसा जताना चाहिए कि भारत को तीसरी पार्टी की मध्यस्थता स्वीकार्य नहीं है।

ओवैसी ने एक के बाद एक कई एक्स पोस्ट करके बुधवार रात को चीन के दावे को लेकर अपनी प्रतिक्रिया जताते हुए केंद्र की मोदी सरकार से तीखे सवाल पूछ लिए हैं। हैदराबाद के सांसद ने लिखा है, अमेरिकी राष्ट्र पति के सीजफायर की घोषणा और शांति सुनिश्चित करने के लिए व्यापारिक पाबंदियों के इस्तेमाल के दावे के बाद अब चीन के विदेश मंत्री ने आधिकारिक तौर पर इसी तरह के दावे किए हैं। यह भारत का अपमान है और सरकार को इसका कड़ाई से जवाब देना चाहिए। चीन के साथ संबंधों में सुधार भारत के सम्मान और संप्रभुता की कीमत पर नहीं किया जा सकता। बता दें कि असदुद्दीन ओवैसी मोदी सरकार की ओर से दुनिया भर के देशों में भेजे गए उस प्रतिनिधिमंडल का भी हिस्सा रह चुके हैं, जो ऑपरेशन सिंदूर के बाद की परिस्थितियों को लेकर भारत का पक्ष रखने के लिए गया था। उनका कहना है कि चीन, भारत और पाकिस्तान को एक ही स्तर पर रखना चाहता है और खुद को दक्षिण एशिया में श्रेष्ठ साबित करना चाहता है। क्या जब प्रधानमंत्री चीन गए थे, तब मोदी सरकार इसी पर तैयार हुई थी?

मातम में बदल गया न्यू ईयर का जश्न

» स्विटजरलैंड में भीषण विस्फोट, 10 लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। स्विट्जरलैंड के मशहूर शहर क्र ांस-मोंटाना में नए साल के जश्न के दौरान एक बार में हुए विस्फोट और आग से बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। वालेस कैंटन पुलिस के अनुसार, न्यू ईयर ईव सेलिब्रेशन के दौरान क्रांस-मोंटाना के 'ले कॉन्स्टेलेशन' नाम के बार में एक या एक से ज्यादा धमाके हुए, जिसके बाद वहां भीषण आग लग गई. यह आग रात करीब 1:30 बजे भड़की. उस समय बार में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

पुलिस प्रवक्ता गेटन लाथियन ने एएफपी से बातचीत में बताया कि विस्फोट का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि इस घटना में कई लोग घायल हुए हैं और कई लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में राहत और बचाव दल मौके पर पहुंचे. कई एंबुलेंस तैनात की गईं, जबकि घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए एयर-ग्लेशियर्स हेलीकॉप्टरों की भी मदद ली गई. आग पर काबू पाने के लिए दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत की। फिलहाल पुलिस और जांच एजेंसियां पूरे मामले की जांच में जुटी हैं. विस्फोट किन कारणों से हुआ, इसका पता लगाया जा रहा है। क्रांस-मोंटाना में बड़ी संख्या में पर्यटक नए साल का जश्न मनाने पहुंचे थे. फॉरेंसिक टीमें मौके से सबूत जुटा रही हैं और बार में मौजूद लोगों से पूछताछ की जा रही है।

हिमाचल के सोलन में भीषण ब्लास्ट!

» चकनाचूर हुए इमारतों के शीशे, दहशत में लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के नालागढ़ में नए साल के पहले ही दिन एक बड़ा धमाका हुआ है. नालागढ़ पुलिस थाने के पास स्थित एक गली में सुबह-सुबह जोरदार धमाका हुआ, जिससे पूरा इलाका दहल उठा।

धमाका इतना जबरदस्त था कि इसकी गूंज से आसपास के लोगों में दहशत फैल गई और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। विस्फोट की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि घटनास्थल के पास मौजूद इमारतों और आर्मी अस्पताल के शीशे चकनाचूर हो गए. स्थानीय लोगों और वहां मौजूद प्रवासी मजदूरों के अनुसार धमाके की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धमाका होते ही पूरा इलाका दहल गया और एक पल के लिए कुछ भी दिखाई नहीं दिया। चाय की दुकानों पर बैठे लोग भी तेज आवाज सुनकर सहम गए। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही नालागढ़ पुलिस तुरंत हरकत में आ गई। पुलिस ने घटनास्थल को पूरी तरह से सील कर दिया है और दोनों तरफ बैरिकेडिंग लगाकर जांच शुरू कर दी है। एसपी बद्दी विनोद धीमान अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच चुके हैं। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए शिमला से फॉरेंसिक टीम को भी सुबूत इकट्ठा करने के लिए बुलाया गया है।

नियंत्रण रेखा के पास पाकिस्तानी ड्रोन ने गिराया आईडी और ड्रग्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास एक पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा आईईडी, गोला-बारूद और ड्रग्स गिराए जाने से सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई हैं, जिसके जवाब में सुरक्षा बलों ने एक व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया है। यह घटना सीमा पार से आतंकवाद और नार्को-टेरर के बढ़ते खतरे को रेखांकित करती है, जिस पर एजेंसियां कड़ी नजर रख रही हैं।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास एक पाकिस्तानी ड्रोन भारतीय क्षेत्र में घुस आया और उसने संदिग्ध विस्फोटक सामग्री, गोला-बारूद और नशीले पदार्थ गिराए, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया।

नड्डा और खरगे में वार-पलटवार जारी, खींची तलवारें

कांग्रेस अध्यक्ष बोले- बीता साल भाजपा का कुशासन चरम पर था, भाजपा अध्यक्ष ने कहा- कांग्रेस बस झूठ परोसती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बीच संसद के अंदर ही नहीं बाहर भी आपसी तीखी नोंकझोंक लगातार जारी है। खरगे के भाजपा की विफलताओं और कुशासन के आरोपों पर तीखा पलटवार करते हुए बीजेपी ने कहा कि कांग्रेस पर झूठ परोसने के अलावा कु छनहीं जानती है।

नड्डा ने अर्थव्यवस्था, मनरेगा, और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर खरगे के दावों को सिलसिलेवार खारिज करते हुए कांग्रेस को आत्मचिंतन की सलाह दी। बता दें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए 2025 में कई मोर्चों पर भाजपा की विफलताओं और कुशासन का आरोप लगाया। नव वर्ष की पूर्व संध्या पर उन्होंने सरकार से अगले वर्ष सुशासन प्रदान करने की कामना की। आज सुबह एक एक्स पोस्ट में, राज्यसभा के विपक्ष के नेता ने एमजीएनआरईजीए के प्रतिस्थापन, गिरते रुपये और मुद्रास्फीति सहित 14 विवादित मुद्दों का हवाला देते हुए भाजपा की आलोचना की। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा तुम्हारे पाँवों के नीचे कोई ज़मीन नहीं, कमाल ये है कि फिर भी तुम्हें यक़ीन नहीं। नड्डा ने एक्स पर लिखा कि मल्लिकार्जुन खरगे जी, झूठ परोसने के अलावे कांग्रेस के पास और कोई काम नहीं है क्या? कांग्रेस मध्य प्रदेश हारी, छत्तीसगढ़ हारी, महाराष्ट्र हारी, दिल्ली और बिहार में आपका सूपड़ा साफ़ हो गया।

खरगे जी, 2025 में देश की जनता ने आपके हर झूठ को खारिज किया। इसके बावजूद आप झूठ की खेती करने से बाज नहीं आ रहे। अपने लंबे पोस्ट में भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि गजब है। आपने मनरेगा पर झूठ बोला कि इसे ख़त्म कर दिया गया है और ग़रीबों के काम का अधिकार छीन लिया गया है जबकि सच्चाई यह है कि मनरेगा को वीबी जी राम जी के रूप में और व्यापक बनाया गया है, काम के दिनों को बढ़ा कर 125 किया गया है, 15 दिन में भुगतान सुनिश्चित किया गया है और इससे ग्राम सशक्तिकरण को जोड़ा गया है। वैसे भी जब संसद में इस पर चर्चा चल रही थी तो आपके 'नेता' इस चर्चा को छोड़ कर भारत विरोधी जॉर्ज सोरोस द्वारा फंडेड 'ग्लोबल प्रोग्रेसिव एलायंस' में भारत विरोधी लोगों से मिल रहे थे। सही कहा न।

आदतन फिर से भारत की जांबाज सेना पर सवाल उठाये

नड्डा ने कहा कि खरगे जी, आप ने आदतन फिर से भारत की जांबाज सेना पर सवाल उठाये। 'ऑपरेशन सिंदूर' को पूरी दुनिया ने सलाम किया लेकिन आपके तमाम नेता पाकिस्तान की भाषा बोलते रहे। तनिक भी शर्म नहीं आई खरगे जी? आपके नेता खाते हैं देश का और गुणगान करते हैं पाकिस्तान का! आपको दूसरे देशों पर विश्वास है, यहाँ तक कि पाकिस्तान के नेताओं पर विश्वास है लेकिन देश की सेना पर नहीं, देश की संसद पर नहीं, देश के प्रधानमंत्री पर नहीं, देश के रक्षा मंत्री पर नहीं। ऐसा इसलिए कि आप देश के विरोध में इतने अंधे हो गए हैं कि आपको कुछ भी दिखाई देना ही बंद हो गया है। आपने सर्जिकल स्ट्राइक पर भी झूठ बोला था, एयर स्ट्राइक पर भी - आपकी देशविरोधी सोच को जनता जानती है!

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**